Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24
website- www.dvpnews.in
रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 189 ● वर्ष : 11 ● रायपुर, गुरुवार 18 जनवरी 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

झूठ से मेल करने से जीवन की सम्पदा नष्ट हो जाती है।

The wealth of life will get destroyed if we meet falshood.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

छत्तीसगढ़ सरकार का राज्य के शिक्षित बेरोजगार युवाओं के हित में बड़ा फैसला

भर्ती की आयु सीमा में 5 साल की छूट को 5 साल के लिए और बढ़ाया

पुलिस आरक्षक संवर्ग भर्ती के लिए पुरूष अभ्यर्थियों को उच्चतर आयु सीमा में मिलेगी 5 वर्ष की छूट

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज शाम यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में राज्य के शिक्षित बेरोजगार युवाओं के हित में अहम फैसला लिया गया, जिसका लाभ राज्य के लाखों युवाओं को मिलेगा। छत्तीसगढ़ राज्य के स्थानीय निवासियों को अधिकतम आयु सीमा 35 वर्ष में दी गई 5 वर्ष की छूट को कैबिनेट में 5 साल के लिए और बढ़ा दिया गया है। अभ्यर्थियों को आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट का लाभ 31 दिसंबर 2028 तक प्राप्त होगा।

मंत्रिपरिषद ने बैठक में यह भी निर्णय लिया कि अन्य विशेष वर्गों को अधिकतम आयु सीमा में मिल रही छूट पहले जैसे ही मिलती रहेगी। सभी छूटों को मिलाकर अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष होगी। यह छूट गृह (पुलिस) विभाग के लिए लागू नही होगी परंतु वर्तमान में छत्तीसगढ़ पुलिस के जिला पुलिस आरक्षक संवर्ग के लिए लंबे समय से चल रही भर्ती प्रक्रिया में अभ्यर्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए मंत्रिपरिषद ने यह भी फैसला लिया है कि पुलिस आरक्षक संवर्ग के पुरूष अभ्यर्थियों को उच्चतर आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट दी जाएगी।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ पुलिस के जिला पुलिस आरक्षक संवर्ग में भर्ती के लिए वर्ष 2018 में 2259 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। इसके पश्चात लगभग 5 वर्ष के बाद 4 अक्टूबर 2023 को आरक्षक संवर्ग के 5967 रिक्त पदों की भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया है, जिसके लिए अभ्यर्थियों से ऑनलाईन आवेदन लेने की प्रक्रिया जारी है। कैबिनेट के इस निर्णय से आरक्षक संवर्ग के लिए जारी भर्ती प्रक्रिया में पुरूष अभ्यर्थियों को उच्चतर आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट मिलेगी, जिसके चलते राज्य के लाखों युवा जो पूर्व निर्धारित आयु सीमा के चलते आवेदन करने से अपात्र हुए हैं, उन्हें इस छूट के चलते पुलिस आरक्षक संवर्ग की भर्ती प्रक्रिया में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकेगा।

मंत्रिपरिषद की बैठक में एक और अहम फैसला लिया गया। जिसके तहत विशुद्ध रूप से राजनीतिक आंदोलनों से संबंधित प्रकरणों की न्यायालयों से वापसी के लिए मंत्रिपरिषद की एक उपसमिति गठित की जाएगी, जो इन प्रकरणों पर विचार-विमर्श कर आगे की कार्यवाही के लिए अपनी अनुशंसा देगी।

पुलिस कर्मियों के साप्ताहिक अवकाश के संबंध में पुलिस मुख्यालय से जारी हुआ आदेश

गृहमंत्री विजय शर्मा ने पुलिस महानिदेशक को सप्ताहिक अवकाश के लिए किया था निर्देशित

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार पुलिस मुख्यालय से पुलिस कर्मियों के सप्ताहिक अवकाश के संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। गृहमंत्री श्री विजय शर्मा से फील्ड में तैनात पुलिस कर्मियों ने मुलाकात कर सप्ताहिक अवकाश के संबंध में जानकारी दी थी। जिसे गंभीरता से लेते हुए गृहमंत्री श्री विजय शर्मा ने पुलिस महानिदेशक श्री अशोक जुनेजा को सप्ताहिक अवकाश के लिए निर्देशित किया था। पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा ने जारी निर्देशों का कड़ाई से पालन करने कहा है। इस आशय का पत्र उन्होंने समस्त पुलिस ईकाईयां छत्तीसगढ़ को प्रेषित किया है। जारी परिपत्र में यह उल्लेखित किया गया है कि आरक्षक से निरीक्षक स्तर के पुलिस अधिकारियों को सप्ताहिक अवकाश प्रदान करने हेतु जारी संदर्भित दिशा-निर्देशों एवं समय-समय पर जारी किये गए दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए।

प्रधानमंत्री मोदी ने कोच्चि में 4000 हजार करोड़ से ज्यादा की परियोजनाओं का किया उद्घाटन

कोच्चि (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के केरल दौरे का आज दूसरा दिन है। प्रधानमंत्री ने बुधवार सुबह केरल के प्रसिद्ध गुरुवयूर मंदिर में दर्शन-पूजन किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोच्चि में 4000 हजार करोड़ से ज्यादा की परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस दौरान सीएम पिनाराई विजयन और राज्यपाल आरिफ मोहम्मद भी मौजूद रहे।

कोच्चि में परियोजनाओं के उद्घाटन के अवसर पर पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि आज सुबह गुरुवयूर मंदिर में पूजा करने का अवसर मिला, जो मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है। कुछ दिन पहले अयोध्या में महर्षि वाल्मिकी इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन करते हुए मैं केरल में रामायण से संबंधित चार मंदिरों की बात कर रहा था। मैं सौभाग्यशाली हूं कि मुझे अयोध्या में राम मंदिर से पहले त्रिप्रयार में श्री रामास्वामी मंदिर में पूजा का अवसर मिला।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश में बीते नौ सालों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। वहीं कांग्रेस के पांच दशकों के शासन में सिर्फ गरीबी हटाओं का नारा दिया गया। इससे पता चलता है कि हमने विकसित भारत का जो रास्ता चुना है, वह सही है। हमें अपने मतदाताओं को यह बताना होगा कि 10 साल पहले देश में हर दूसरे दिन आतंकी घटनाएं होती थीं, जिससे निवेश और विदेश में रहने वाले हमारे लोग प्रभावित होते थे। एलडीएफ और यूडीएफ गठबंधन का घोटालों का इतिहास रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने त्रिशूर में नारी शक्ति सम्मेलन के दौरान केरल के भाजपा कार्यकर्ताओं की ताकत देखी थी। मैं अपने निजी अनुभव से बता सकता हूं कि एक मजबूत संगठन ही इतने बड़े सम्मेलन का आयोजन कर सकता है। इससे पता चलता है कि आप बहुत कोशिश कर रहे हैं। भाजपा एकमात्र राजनीतिक पार्टी है, जिसका तेज विकास और भविष्य के लिए विजन रखने का रिकॉर्ड है।

प्रधानमंत्री एर्नाकुलम में पार्टी के शक्तिकेंद्र प्रभारी सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका सम्मान और स्वागत किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बात करते हुए मुझे हमेशा खुशी मिलती है क्योंकि यही राज्य में पार्टी को मजबूत करने के लिए काम करते हैं। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं की कोशिश है कि भाजपा चमकती रहे। मैं उन सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को सलाम करता हूं, जो अपनी विचारधारा और देशभक्ति के लिए समर्पित हैं। प्रधानमंत्री ने केरल में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की प्राथमिकता लोगों की आय बढ़ाने के साथ ही देशवासियों की बचत बढ़ाना भी है। आयुष्मान भारत योजना के तहत देशवासियों को करीब करीब एक लाख करोड़ रुपये की बचत हुई है। अब तक जन औषधि केंद्रों की वजह से लोगों के 25 हजार करोड़ रुपये बचे हैं। मोदी ने कहा कि आज भारत वैश्विक व्यापार का केंद्र बन रहा है। ऐसे में हम भी अपनी समुद्री ताकत को बढ़ा रहे हैं। आज देश को अपना सबसे बड़ा ड्राई डॉक मिला है। साथ ही जहाज निर्माण, जहाजों की मरम्मत और एलपीजी आयात टर्मिनल की सुविधा का भी उद्घाटन किया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बालोद जिले को दी 173 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज बालोद जिले को 173 करोड़ रुपये से अधिक के 83 विभिन्न कार्यो का लोकार्पण एवं भूमिपूजन कर विकास कार्यो की सौगात दी। जिसमें 4.900 करोड़ रूपये लागत के 23 विभिन्न कार्यो का भूमिपूजन और 168.18 करोड़ रूपये लागत के 60 विभिन्न कार्यो का लोकार्पण शामिल है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बालोद जिले के तहसील मुख्यालय गुण्डरदेही में आयोजित कार्यक्रम में संजारी बालोद विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत 17.414 करोड़ रूपये लागत के 24 कार्य, डौंडीलोहारा विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत 140.188 करोड़ रूपये के लागत के 20 कार्य, गुण्डरदेही विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत 10.583 करोड़ रूपये लागत के 16 कार्यो का लोकार्पण और डौंडीलोहारा विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत 4.703 करोड़ रूपये लागत के 21 कार्य और गुण्डरदेही विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत 0.200 करोड़ रूपये लागत के 02 कार्यो का भूमि पूजन कर जिलेवासियों को अपनी शुभकामनाएं दी।

असहमति को शालीनता से व्यक्त किया जाना चाहिए: ओम बिरला

जयपुर (आरएनएस)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदस्यों के लिए सदन में आचरण के उच्चतम मापदंड स्थापित करना आवश्यक बताते हुए कहा है कि लोकतंत्र में नीतियों और मुद्दों पर मतभेद हो सकते हैं लेकिन ऐसी असहमति सदन की गरिमा और मर्यादा के दायरे में रहकर व्यक्त की जानी चाहिए। बिरला विधानसभा में राजस्थान की सोलहवीं विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों के लिए आयोजित प्रबोधन कार्यक्रम के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जोर देकर कहा कि राष्ट्रपति और राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान सदन में कोई व्यवधान नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह अभिभाषण हमारी संसदीय व्यवस्था में महत्वपूर्ण मौका होता है जिसका सभी को सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सदस्य का यह दायित्व है कि वह सदन के माध्यम से लोकतंत्र को सुदृढ़ करने में अपना योगदान दे। इसके साथ ही उन्होंने सदस्यों से आग्रह किया कि वे सदन में अपना पूरा समय दें और वरिष्ठ नेताओं और सदस्यों के भाषण सुनें और उनसे सीखें।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव का बड़ा निर्णय : विकास कार्य हेतु नगरीय निकायों को जारी किए 215 करोड़ रुपए

रायपुर (विश्व परिवार)। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज प्रदेश के सभी 14 नगर निगमों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने मंत्रालय में आयोजित बैठक में शहरों में विकास और सुविधाएं बढ़ाने के काम में तेजी लाने के दिए निर्देश दिए। उनकी समीक्षा बैठक के बाद विभाग ने आज ही नगरीय निकायों में विकास कार्यों के लिए 215 करोड़ रुपए की राशि जारी कर दी है। उप मुख्यमंत्री ने बैठक में सभी नगर निगम आयुक्तों को अपनी टीम और जनप्रतिनिधियों के साथ सप्ताह में तीन दिन निर्माण और सफाई कार्यों के निरीक्षण के निर्देश दिए। उन्होंने इस पर गंभीरता से अमल करते हुए निरीक्षण के फोटो भी साझा करने को कहा। श्री साव ने सभी नगर निगमों में वार्डवार निरीक्षण के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान वे खुद भी सवेरे किसी भी दिन किसी भी नगर निगम में पहुंच सकते हैं। उन्होंने 22 जनवरी को अयोध्या में राममंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर शहरों के सभी वार्डों में जन सहयोग से स्वच्छता अभियान संचालित करने को कहा। नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. बसवराजू एस., विशेष सचिव श्री पी.एस. ध्रुव, संचालक श्री कुंदन कुमार और सूडा (स्ष्ठ) के सीईओ श्री सौमिल रंजन चौबे भी समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने बैठक में सभी नगर निगमों में संपत्ति कर की वसूली के लिए अभियान चलाने को कहा। उन्होंने व्यावसायिक एवं आवासीय संपत्तियों से बकाया कर की राशि वसूलने के लिए हर बुधवार को अभियान संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संपत्ति कर के बड़े बकायादारों की सूची तैयार कर कड़ाई से इसकी वसूली करने को कहा। उन्होंने आयुक्तों को हर सप्ताह संपत्ति कर की प्राप्ति की समीक्षा करने को कहा।

"भारत जोड़ो न्याय यात्रा" में वालंटियर की भूमिका निभा रहे विधायक देवेंद्र, न्याय यात्रा पहुंची नागालैंड के ओहाहिंग

भिलाई (विश्व परिवार)। राहुल गांधी भारत जोड़ों न्याय यात्रा कर रहे हैं। यात्रा का मूल उद्देश्य देश में बढ़ रही बेरोजगारी देश में बढ़ रही द्वेष की भावना, केंद्र सरकार द्वारा लगातार आम जनों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ और दलित आदिवासियों को को न्याय दिलाने के लिए मणिपुर से मुंबई तक की यात्रा शुरू की है। यात्रा को मिल रहा अपार जन समर्थन से यह स्पष्ट हो चुका है कि भारत के नागरिक केंद्र सरकार की तानाशाही रवैया के खिलाफ मुखर होकर लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। विधायक देवेंद्र यादव रोज राहुल गांधी जी के साथ यात्रा कर रहे है। आज यात्रा बीके टाउन जुन्हेवोटो से शुरू होकर चूचूयिमपांग में सभा के बाद मेटानकांग में सभा को संबोधित करके ओआहिंग में विश्राम करेंगे और कल सुबह 8 बजे पुन: शुरू होगी। एक ओर जहां देश में भाजपा हिन्दू मुस्लिम के बीच नफरत की दीवार खड़ी कर रही है। देश की एकता और अखंडता व लोकतंत्र को दरकिनार करके देश का विभाजन करने में जुटी हुई है। ऐसे में राहुल गांधी जी नफरत की दीवार को तोड़कर भारत की धरती में मणिपुर से मुंबई तक देशवासियों के बीच प्रेम, भाईचारा का हाथ बढ़ा रहे हैं। हमारे देश की मिट्टी की खुशबू फैला रहे है और एकता को मजबूत कर रहे हैं।

हर जगह लगा रहे पौधा और मिट्टी सहेज रहे : भारत जोड़ों यात्रा के साथ ही रोज यात्रा करने के साथ ही लोगों से मिल रहे हैं। जहां से भी यात्रा गुजर रही है। वहां भारत जोड़ो न्याय यात्रा को यादगार बनाने के लिए पौधा लगा रहे हैं।

राम जन्मभूमि के दर्शन का मिलेगा अवसर

काशी विश्वनाथ मंदिर एवं कॉरीडोर तथा गंगा आरती दर्शन भी रहेगा यात्रा का हिस्सा

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की बैठक में रामलला दर्शन योजना प्रारंभ निर्णय लिया है। इससे जनमानस में अपार हर्ष का माहौल है। लोगों ने कहा कि इस पहल के माध्यम से प्रदेश वासियों को राम जन्म भूमि के दर्शन का सुअवसर मिलने जा रहा हैं।

इस सिलसिले में बलौदाबाजार नगर निवासी श्रीमती उषा केडिया, श्रीमती उषा शर्मा, श्रीमती लता नामदेव, श्रीमती सुधा गुप्ता, श्रीमती पार्वती श्रीवास, श्रीमती सुधा श्रीवास, श्रीमती अंजना शर्मा, श्रीमती ममता शर्मा ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि 22 जनवरी का दिन पूरे भारत वर्ष के लिए ऐतिहासिक है. धार्मिक नगरी अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है। यह बहुत ही खुशी का मौका है उस दिन हम सब मिलकर दीप जलायेंगे एवं दीवाली मनायेंगे। हमारे घर के आस पास ही हम कीर्तन-भजन के साथ भंडारे का आयोजन करेंगे। सभी महिलाओं ने कहा छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रदेशवासियों को श्री रामलला के दर्शन कराने हेतु अयोध्या ले जाने की जो घोषणा की गई है वह बहुत नेक कार्य है। घोषणा अनुरूप हम रामलला का दर्शन कर पायेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को इस योजना के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया. उल्लेखनीय है कि मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा छत्तीसगढ़वासियों को दी गई गारंटियों में से एक और गारंटी को पूरा करते हुए प्रदेश में श्री रामलला दर्शन (अयोध्या धाम) योजना शुरू करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। ज्ञातव्य है कि धार्मिक नगरी अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होने जा रही है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रदेशवासियों को श्री रामलला के दर्शन कराने हेतु अयोध्या ले जाने की घोषणा की गई है। जिसके परिपालन में श्री रामलला दर्शन योजना शुरू की जा रही है। इस योजना का क्रियान्वयन छत्तीसगढ़ पर्यटन मण्डल द्वारा तथा बजट पर्यटन विभाग द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा।

कुमार लक्ष्मी नारायण देव का निधन, मुख्यमंत्री ने जताया शोक

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री कुमार लक्ष्मी नारायण देव के निधन पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गहन शोक व्यक्त किया है। श्री साय ने स्वर्गीय श्री देव के पुत्र जगदलपुर विधायक श्री किरण सिंह देव एवं शोकाकुल परिवारजनों के प्रति भी अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं एवं परिवारजनों द्वारा इस शोक को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना ईश्वर से की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी परंपरा में जीवेम शरद: शतम की बात होती है। स्वर्गीय श्री देव ने यशस्वी जीवन जिया। उन्होंने अपने सुदीर्घ जीवन में अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ ही सार्वजनिक जीवन से जुड़ी जिम्मेदारियों का भी निर्वहन किया है।

Khadi India

राज्य स्तरीय पीएमईजीपी प्रदर्शनी
स्थानीय उत्पाद अमृत महोत्सव

दिनांक : 17-01-2024 से 26-01-2024 तक
स्थल : वेलडेक्स ग्राउण्ड, सिविक सेंटर, भिलाई, जिला दुर्ग (छ.ग.)
समय : प्रतिदिन सुबह 11:00 बजे से रात्रि 11:00 बजे तक

प्रदर्शनी का आकर्षण

- पीएमईजीपी/ग्रामोद्योग के अंतर्गत ग्रामीण कारीगरों द्वारा उत्पादित आचार, पापड़, बड़ी, अगरबत्ती, शैम्पु, साबून, आर्टिफिशियल फ्लावर, जूता, आयुर्वेदिक जड़ी बूटी, हर्बल उत्पाद, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, फर्नीचर, डेकोरेटिव सामग्री, मिट्टी से उत्पादित वस्तुएं इत्यादि।
- छत्तीसगढ़ एवं अन्य प्रदेशों की खादी संस्थाओं के माध्यम से ग्रामीण कारीगरों द्वारा उत्पादित शुद्ध कोसा की साड़ियां, सिल्क साड़ी, शर्टिंग, ड्रेस मटेरियल, रेडिमेड शर्ट, कुर्ता पायजामा, जैकेट, बैडशीट, दरी, लुंगी, गम्छे इत्यादि।

प्रदर्शनी में पधारकर ग्रामीण कारीगरों द्वारा उत्पादित शुद्ध ग्रामोद्योग की वस्तुओं एवं खादी वस्त्रों को खरीदकर कारीगरों का उत्साहवर्धन करते हुए स्वदेशी उत्पाद को प्रोत्साहित करें।

आयोजक
राज्य कार्यालय, खादी और ग्रामोद्योग आयोग
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
प्रथम तल गांधी भवन, केयूर भुषण स्मृति परिसर, कंकाली पारा, रायपुर (छ.ग.)- 492001
फोन : 0771-2886428 E-mail: - soraipur.kvic@gov.in, Website: www.kvic.org.in

राज्य बजट को लेकर प्रदेश के व्यापारियों के सुझाव एवं चर्चा हेतु केबिनेट मंत्री ओपी चौधरी चेंबर में हुआ आगमन

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि आज दिनांक 17 जनवरी 2024 को चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी के नेतृत्व में चेंबर प्रतिनिधि मंडल सहित व्यापारिक संगठन, चेंबर इकाईयों ने आगामी बजट से संबंधित सुझाव कैबिनेट मंत्री छत्तीसगढ़ शासन श्री ओ.पी.चैधरी जी को दिये।

चेंबर भवन में श्री ओपी चैधरी जी के प्रथम आगमन पर व्यापारियों द्वारा बड़ी धूमधाम से उनका स्वागत सत्कार किया गया।

श्री पारवानी ने बताया कि नवनिर्वाचित कैबिनेट मंत्री (वित्त, वाणिज्य, आवास एवं पर्यावरण, योजना एवं सांख्यिकी विभाग) श्री ओपी चैधरी जी का चेंबर भवन में पहली बार आगमन हुआ जहां बड़ी संख्या में प्रदेश भर के व्यापारी संगठन प्रमुख, चेंबर इकाई प्रमुख एवं व्यापारीगण ने धूमधाम से उनका स्वागत किया। इस अवसर पर श्री रजत बंसल जी (आईएएस), राज्य कर आयुक्त, एवं श्री प्रमोद दुबे जी, सभापति, नगर पालिक निगम रायपुर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री ओपी चैधरी जी का गजमाला एवं वहां उपस्थित समस्त व्यापारीगण द्वारा गुलाब का फूल भेंट कर स्वागत किया गया।

श्री पारवानी ने बताया कि चेंबर प्रतिनिधि मंडल सहित व्यापारिक संगठन, चेंबर इकाईयों ने आगामी बजट 2024-25 से संबंधित सुझाव दिए थे जिसका ज्ञापन कैबिनेट मंत्री छत्तीसगढ़ शासन श्री ओ.पी. चैधरी जी को सौंपा गया जो निम्नानुसार है- एकल खिड़की प्रणाली संबंधी सुझाव, कृषि आधारित उद्योग के विकास संबंधी, अधिसूचित औद्योगिक क्षेत्र को नगरीय निकाय सीमा क्षेत्र से बाहर रखकर नई औद्योगिक नीति के तहत इंडस्ट्रीयल टाऊनशिप घोषित किया जावे। नई औद्योगिक पॉलिसी 2024 29 के संबंध में सूक्ष्म लघु उद्योगों के लिए विशेष नीतियां लाने संबंधी, आईटी सेक्टर से संबंधित एजुकेशन हब बनाने बाबत।

विकसित भारत संकल्प यात्रा
गाँव-गाँव में हितग्राही कर रहे केंद्र सरकार की योजनाओं से लाभ लेने हेतु आवेदन

रायपुर (विसं)। रायपुर ज़िले के आरंग विकासखण्ड में आज लगे शिविर में 2500 से ज्यादा प्रतिभागियों ने उपस्थित होकर केंद्र शासन की योजनाओं की जानकारी ली। आरंग के ग्राम चोरभट्टी, सकारी, तुलसी और रसौटा में आयोजित शिविर में कुल 65 आयुष्मान कार्ड बनाये गए और 11 लोगों को केसीसी ऋण वितरित किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि शिविर के माध्यम से तुलसी ग्राम पंचायत में 6 हितग्राहियों का बैंक केवाईसी अपडेट किया गया। साथ ही तुलसी एवं रसौटा ग्राम पंचायत में 19 पशु कृषकों को सामग्री वितरित की गई। 25 हितग्राहियों को उज्वला योजना के अंतर्गत पंजीकृत किया गया। साथ ही 10 महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों में पुरस्कृत भी किया गया। जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा लगातार जारी है। जिले में अब तक 350 से ज्यादा ग्राम पंचायतों में संकल्प यात्रा के तहत कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./41/288/न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 17-01-2024

आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना

नामांतरण प्र.क्र. 41/288
वार्ड का नाम-48-मदर टेरेसा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि मदर टेरेसा वार्ड- 48 स्थित/भूमि/दुकान क्र.-05, IDMST योजना अंतर्गत तेलीबांधा रायपुर, जो की निगम अभिलेख **श्रीमती ममता श्रीवास्तव पति राजकुमार** के नाम से दर्ज है जिसको **श्रीमती ममता श्रीवास्तव पति राजकुमार** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**अनुबंध एवं विक्रय विलेख**/ प्रतिलिपी संलग्न की जाये वर्ष-2023-24/रसीद की छायाप्रति संलग्न, अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
आयुक्त
जोन क्रमांक-3
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./41/288/न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 17-01-2024

आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना

नामांतरण प्र.क्र. 42/288
वार्ड का नाम-48-मदर टेरेसा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि मदर टेरेसा वार्ड- 48 स्थित/भूमि/दुकान क्र.-06, IDMST योजना अंतर्गत तेलीबांधा रायपुर, जो की निगम अभिलेख **श्रीमती ममता श्रीवास्तव पति राजकुमार श्रीवास्तव** के नाम से दर्ज है जिसको **श्रीमती ममता श्रीवास्तव पति राजकुमार** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**अनुबंध एवं विक्रय विलेख**/ प्रतिलिपी संलग्न की जाये वर्ष-2023-24/रसीद की छायाप्रति संलग्न, अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
आयुक्त
जोन क्रमांक-3
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./8299/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 17-01-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 8299
वार्ड का नाम-55-रविंद्रनाथ टैगोर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 55 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR651F0426B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MOHAMMAD ANEESH MEMON** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE HABIB MEMON** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **1. श्रीमती निलेश जैन 2. संदीप जैन** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. पति श्री संदीप जैन 2. पिता श्री सुरेश कुमार जैन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./8121/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 17-01-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 8121
वार्ड का नाम-54-कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652M1812A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GEETA SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHHABI RAM SAHU** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **श्री सुभाष चंद साहू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता श्री लखन साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./8399/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 17-01-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 8399
वार्ड का नाम-54-कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR651S0080D** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BAJRANG AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. SUMERCHAND AGRAWAL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **दीपक फेरो एलायज लिमिटेड डायरेक्टर श्री जगदीश जुनेजा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता स्व. चमनलाल जुनेजा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./8400/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 17-01-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 8400
वार्ड का नाम-54-कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652N00960** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MAA SHARDA BUILDCON PARTNER BY MAHESH DHANGAR AND OTHERS** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DOMURAM DHANGAR** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **श्री बबला सोनी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता श्री नीलकंठ सोनी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./8304/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 17-01-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 8304
वार्ड का नाम-53-बाबू जगजीवनराम वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446I00346** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NIRMALA JAIN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RANJIT KUMAR JAIN** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **श्री संजय चोपड़ा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता श्री खेमराज जी चोपड़ा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./8451/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 17-01-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 8451
वार्ड का नाम-04 - यतियतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 04 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104E0174E** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ARVIND PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VALJI BHAI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **NAYANI BHARAT KUMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NAYANI BACHHU LAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
नेतराम चन्द्राकर
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-1
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./8429/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 17-01-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 8429
वार्ड का नाम-04 - यतियतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 04 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104E0174B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ARVIND PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VALJI BHAI PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **HITESH PATEL S/O DAYARAM PATEL, RAJENDRA KUMAR NAYANI S/O DEVRAM NAYANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
नेतराम चन्द्राकर
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-1
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./8443/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 17-01-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 8443
वार्ड का नाम-04 - यतियतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 04 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104E00174** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ARVIND PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VALJI BHAI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PARVATI BEN NAKRANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHHAGAN BHAI NAKRANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
नेतराम चन्द्राकर
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-1
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./8431/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 17-01-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 8431
वार्ड का नाम-04 - यतियतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 04 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104E0174D** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ARVIND PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VALJI BHAI PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **BHAVESH PATEL, MAYUR PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KIRTI PATEL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
नेतराम चन्द्राकर
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-1
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./8430/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 17-01-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 8430
वार्ड का नाम-04 - यतियतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 04 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104E0174C** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ARVIND PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VALJI BHAI PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **NAKRANI URMILA BEN GORDHAN BHAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NAKRANI GORDHAN BHAI GANGDAS** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
नेतराम चन्द्राकर
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-1
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./8566/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 17-01-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 8566
वार्ड का नाम- 26- दानवीर भामाशाह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 26 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR109B00694** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती MAINI BAI, BAISHKIYA BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KAMTA PRASAD** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री कामता प्रसाद चक्रधारी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता स्व. मंगल प्रसाद चक्रधारी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के.डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 2
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./8413/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 17-01-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 8413
वार्ड का नाम-55- रविंद्रनाथ टैगोर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 55 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR651E00559** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAJENDRA KUMAR LUKHAHR** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती 1. **श्रीमती मधु लुंकड़ 2. रक्षिता लुंकड़** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. पति स्व. श्री राजेंद्र कुमार लुंकड़ 2. पिता श्री राजेंद्र कुमार लुंकड़** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./8404/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 17-01-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 8404
वार्ड का नाम-49-गुरुघासीदास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 49 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR344C00048** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **POOJA CHOUHAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. ALOK CHOUHAN** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती जसवीर कौर गिल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पति श्री सुखविंदर सिंह गिल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मलमा बिक्रीनामा, शपथ पत्र**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर, गुरूवार 18 जनवरी 2024

मंत्री लखनलाल देवांगन के आतिथ्य में कमला नेहरु कॉलेज में वर्षिकोत्सव सम्पन्न

क्षेत्र के ग्रामीण व शहरी बच्चों की उच्च शिक्षा की राह प्रशस्त करने में कमला नेहरु कॉलेज दशकों से महत्वपूर्ण योगदान अर्पित कर रहा है

कोरबा(विश्व परिवार)। अभी मेरी उम्र 60 वर्ष है पर जब कमला नेहरु महाविद्यालय खुला था, तब मैं 8 साल का था। हम चारपारा में रहते थे और नदी पर पुल भी नहीं बना था। गर्मी का मौसम आने पर उस पार के लोगों के लिए कोरबा शहर आने-जाने रपटा बनता था। तब के दौर में ऐतिहासिक रानी महल और जिले के पहले कॉलेज को सिर्फ देखने की ललक में हम लोग नाव से नदी पारकर आते थे। भले ही संख्या कम हो गई, हो पर क्षेत्र के ग्रामीण व शहरी बच्चों की उच्च शिक्षा की राह प्रशस्त करने में कमला नेहरु कॉलेज दशकों से महत्वपूर्ण योगदान अर्पित कर रहा है। समाज को उच्च शिक्षित युवाओं की भेंट दे रही इस संस्था को बेहतर पायेदान पर ले जाने में उचित योगदान अर्पित कर सकूं, इस दिशा में शत-प्रतिशत प्रयास करुंगा। उक्त कथन आयोजित कमला नेहरु महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव समारोह में मुख्य अतिथि की आसंदी से प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग व श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना और छत्तीसगढ़ के राजकीय अरपा-पैरी के धार की सुमधुर प्रस्तुति दी। संगीतमय स्वागत गीत के मध्य कमला नेहरु महाविद्यालय समिति के अध्यक्ष किशोर शर्मा ने मुख्य अतिथि श्री देवांगन का पुष्पगुच्छ और तुलसी का पौधा भेंटकर स्वागत-अभिनंदन किया। उनके अतिरिक्त समिति के उपाध्यक्ष डॉ. आर.सी. पांडेय, सचिव सुरेंद्र लांबा, सहसचिव उमेश लांबा व प्राचार्य डॉ. प्रशांत बोपापुरकर ने भी गुलदस्ता भेंटकर मुख्य अतिथि का आत्मीय स्वागत किया। स्वागत की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए मंच पर उपस्थित अतिथियों में कोहड़िया के पार्षद नरेंद्र देवांगन, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, पार्षद श्रीमती धनश्री साहू, मंडल अध्यक्ष परविंदर सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष नरेंद्र पाटनवार, राधे यादव को भी बुके भेंटकर उनका अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय समिति के सदस्य व बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष मनीष शर्मा, नानजीभाई पटेल, लोकेश्वर सिंह तोमर, जसराज जैन, घनश्याम बोंदिया, डॉ. जे.पी. चंद्रा, अरविंद साहू, रमेश जायसवाल आदि उपस्थित रहे। कॉलेज परिवार की ओर से भूगोल विभागाध्यक्ष अजय मिश्रा, छात्रसंघ प्रभारी गोविंद माधव उपाध्याय, ज्योतिभूषण विधि कॉलेज की प्राचार्य डॉ. किरण चैहान, बीएड संकाय के विभागाध्यक्ष डॉ. अब्दुल सत्तार, ओ.पी. साहू, श्रीमती सीमा सोनी, कार्यालय विभाग से अशोक सोनी, एनसीसी की ओर से कैडेट हरप्रीत सिंह, श्रुति पटेल व एनएसएस से स्वयंसेवक मनीष चंद्रा ने अतिथियों के स्वागत की परंपरा में भाग लिया। प्राचार्य डॉ. प्रशांत बोपापुरकर ने कॉलेज का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए 52 वर्षों के इतिहास और उपलब्धियों की रुपरेखा कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन के समक्ष रखी।

कोरबा में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का शुभारंभ..

यातायात जागरूकता को लेकर माह भर आयोजित किये जावेंगे विविध कार्यक्रम

कोरबा(विश्व परिवार)। पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर के निर्देशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक श्री जितेंद्र शुक्ला के मार्गदर्शन पर आज 15 जनवरी को जिला कोरबा में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2024 का शुभारंभ गीतांजलि भवन पुराना बस स्टैंड कोरबा में आयोजित कार्यक्रम से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कोरबा कलेक्टर श्री अजीत वसंत, पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र शुक्ला, नगर निगम आयुक्त प्रतिष्ठा ममगाई एवं नगर पुलिस अधीक्षक दर्री रॉबिंसन गुड़िया द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र समीप दीप प्रज्वलित कर औपचारिक रूप से जिले में सड़क सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में वक्ता पुलिस पुलिस अधीक्षक एवं कलेक्टर महोदय द्वारा बढ़ते सड़क दुर्घटना पर गंभीरता व्यक्त कर प्रत्येक नागरिकों को यातायात नियमों का पालन करने प्रेरित किया गया। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह में प्रतिदिन थानों व यातायात पुलिस द्वारा विधिक जागरूकता कार्यक्रम कर जिलेवासियों को यातायात के प्रति जागरूक किया जावेगा। सड़क सुरक्षा माह के शुभारंभ कार्यक्रम दौरान कार्यक्रम स्थल से यातायात जागरूकता रथ के माध्यम से जिले में यातायात नियमों के पालन करने के प्रचार-प्रसार के लिए रवाना किया गया है।

एक महिला एवं 06 पुरुष आरोपियों पर आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया

कोरबा पुलिस के द्वारा अवैध शराब पर लगातार हो रही कार्रवाई

कोरबा(विश्व परिवार)। पुलिस महानिदेशक श्री अशोक जुनेजा के द्वारा राज्य में किसी भी प्रकार के अवैध नशे पर प्रभावी कार्यवाही के लिए अभियान चलाकर अवैध शराब, गांजा एवं अवैध नशीले पदार्थ के विरुद्ध सख्ती से कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया था। जिस पर पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर श्री अजय यादव एवं पुलिस अधीक्षक कोरबा श्री जितेंद्र शुक्ला से मार्गदर्शन प्राप्त कर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक वर्मा के पर्यवेक्षण में जिला के सभी थानाध्चैकी में सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने वालों पर, शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर एवं अवैध शराब पर लगातार कार्यवाही जारी है। गांव में थाना प्रभारीगण द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर अवैध शराब की सूचनाएं देने लोगों को प्रेरित किया जा रहा है जिससे कई थाना क्षेत्र से अवैध महुआ शराब बनाने की सूचनाएं पुलिस टीम को प्राप्त हो रही है, जिन पर कार्रवाई किया जा रहा है। इसी कड़ी में कल 10 जनवरी को थाना बाकीमोंगरा के ग्राम जवाली , थाना दर्री के सीपेट रोड़ मोड़ के पास, थाना हरदीबाजार के ग्राम भाठापारा दो स्थानों में संबंधित थानों की टीम के द्वारा रेड किया गया। कई स्थानों पर अवैध महुआ शराब बनाने के ठिकानों पर पुलिस ने छापेमार कार्रवाई कर महुआ पास और भट्टी को नष्ट किया है, साथ ही अवैध शराब बनाने, बेचने और पीने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई किया गया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा : केन्द्र सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए ग्रामीणों को किया गया प्रेरित

सूरजपुर(विश्व परिवार)। भारत सरकार की योजनाओं से नागरिकों को जागरूक करने एवं शासन की योजनाओं से लाभान्वित करने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आज कार्यक्रम आयोजित किया गया। विकसित भारत संकल्प यात्रा की मोबाइल वैन के माध्यम से केंद्र शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और केन्द्र सरकार की योजनाओं से लाभ प्राप्त कर रहे हितग्राहियों से सीधे संवाद करने के लिए उद्देश्य से कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सभी ने विकसित भारत के लिए संकल्प लिया एवं चलचित्र के माध्यम से विकसित भारत के उद्देश्य की सामान्य जानकारी दी गई। वैन के माध्यम से कृषि गतिविधि, ड्रोन डेमोंस्ट्रेशन व स्वाईल हेल्थ कार्ड डेमोंस्ट्रेशन का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण कर किया गया। इसके माध्यम से शासकीय योजना जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री जनधन योजना, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना सहित अनेक जनकल्याणकारी योजना प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचे और केन्द्र सरकार की विभिन्न योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने ग्रामीणों को सभी केन्द्र सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने की बात कही। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों में ऐसे व्यक्ति जो शासन की योजना से अब तक वंचित रह गये थे उन्हें लाभान्वित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

ऋचा जोगी ने जाति प्रमाण पत्र खारिज किये जाने के खिलाफ लगी अपनी याचिका वापस ली

बिलासपुर(विश्व परिवार)। सोमवार को हाईकोर्ट में ऋचा जोगी की तरफ से उपस्थित अधिवक्ता गैरीमुखोपाध्याय ने उस याचिका को वापस लेने का अनुरोध किया जिसमें ऋचा जोगी ने जाति प्रमाण पत्र खारिज किये जाने के खिलाफ अनुतोष मांगा गया था। ऋचा की ओर से बाद में एक नई याचिका पेश करने की बात भी कही गई। शिकायतकर्ता संतकुमार नेताम की ओर से उपस्थित अधिवक्ता सुदीप श्रीवास्तव ने याचिका वापस लिये जाने को स्वयं के हानि लाभ के आधार पर होना बताते हुए कोई आपत्ति नहीं की। हाई कोर्ट की खण्डपीठ जस्टिस गौतम भादुड़ी और जस्टिस सचिन सिंह राजपूत ने याचिका वापसी का आग्रह स्वीकार करते हुए याचिका को निराकृत कर दिया। गौरतलब है कि 2020 में ऋचा जोगी के द्वारा जिला स्तरीय जाती प्रमाण पत्र छानबीन समिति द्वारा उनके जाति प्रमाण पत्र को निलंबित किये जाने और अन्तिम निर्णय के लिए प्रकरण को राज्य स्तरीय जाति प्रमाण पत्र छानबीन समिति के पास भेजे जाने के खिलाफ प्रस्तुत की थी। इस याचिका में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जिला स्तरीय जाती प्रमाण पत्र छानबीन समिति को दिये गये अधिकारो और इस संबंध में बनाये गये नियमों की संवैधानिकता को भी चुनौती दी गई थी। प्रकरण में हाई कोर्ट के द्वारा नोटिस जारी किया गया था और कोई स्टे आदेश नहीं दिया गया था। कालान्तर में राज्य स्तरीय जाती प्रमाण पत्र छानबीन समिति ने पूर्ण सुनवाई कर ऋचा जोगी के जाति प्रमाण पत्र को रद्द कर दिया गया था। इस निर्णय के विरूद्ध पहले ऋचा जोगी वर्तमान में ही लंबित याचिका में संशोधन करना चाहती थी। परन्तु लम्बे समय बितने पर भी कोई संशोधन याचिका प्रस्तुत नहीं की गई।

रामलला प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर जिले में आयोजित होंगे रामायण मानस गान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

कलेक्टर ने अविद्युतीकृत स्कूल और आंगनबाड़ी में विद्युतीकरण के दिए निर्देश

कोरबा(विश्व परिवार)। कलेक्टर अजीत वसंत ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक में विभागीय योजनाओं के कार्य प्रगति एवं विभागवार टीएल के लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने मानस मण्डली द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन एवं गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारी, धान खरीदी व भंडारण और उठाव, धान बोनस वितरण, पीएम जनमन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, राख का परिवहन, अतिक्रमण पर नियंत्रण सहित राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए। बैठक में वनमण्डलाधिकारी कोरबा श्री अरविंद पीएम, कटघोरा वनमण्डलाधिकारी निशांत कुमार,निगमायुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई, प्रभारी सीईओ जिला पंचायत श्री प्रदीप साहू, अपर कलेक्टर श्री दिनेश नाग, सभी एसडीएम व अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राण प्रतिष्ठा दिवस पर जिले में वृहद रूप से भक्तिमय कार्यक्रमों का विकासखण्ड एवं जिला स्तर पर आयोजन होगा। उपरोक्त आयोजन की विस्तृत रूप रेखा के संबंध में जानकारी देते हुए उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आमजनों एवं मानस मंडलियों के समन्वय और सहयोग से नगरीय निकायों एवं पंचायतों में रामायण मानस गायन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस हेतु राज्य शासन द्वारा कार्यक्रम आयोजन के संदर्भ में दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। जिले में पंजीकृत एवं क्रियाशील मानस मंडलियों को प्रोत्साहन स्वरूप 5000 रुपए की राशि प्रदान की जाएगी।

कच्ची अवैध शराब के साथ एक गिरफ्तार

महासमुंद(विश्व परिवार)। अवैध शराब निर्माण, बिक्री और परिवहन के विरुद्ध कार्यवाही हेतु कलेक्टर श्री प्रभात मलिक के निर्देशानुसार और जिला आबकारी अधिकारी महासमुंद श्री मोहित कुमार जायसवाल के आदेशानुसार 14 जनवरी को आबकारी वृत्त सरायपाली अन्तर्गत ग्राम इच्छापुर निवासी आरोपी करम चंद दास उम्र 33 वर्ष को बिना नम्बर प्लेट के सफेद स्कूटी टीव्हीएस जूपिटर125 से 50 लीटर हाथ भट्ठी कच्ची महुवा शराब परिवहन करते हुए तोरेसिंहा से गोहेरापाली जाने वाली रोड में पकड़ा गया। जिसके विरूद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(2), 59(क) के तहत अपराध दर्ज कर रिमांड पर जेल दाखलि किया गया है तथा उक्त परिवहन मे प्रयुक्त स्कूटी टीव्हीएस जूपिटर125 को भी जब्त किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

रजगामार पुलिस ने मोटर साइकिल चोरी के आरोपी को किया गिरफ्तार

कोरबा(विश्व परिवार)। पुलिस अधीक्षक कोरबा श्री जितेन्द्र शुक्ला के दिशा निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक वर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक श्री भूषण एक्का एवं थाना प्रभारी बालको श्री अविनाश कंवर के मार्गदर्शन में चैकी प्रभारी रजगामार लक्ष्मण प्रसाद खुटें, हमराह स्टाप प्रधान आरक्षक 174 गुरूवार सिंह, 353 विनोद कुमार, आरक्षक 721 करण सिंह के नतृत्व में चोरी किये गये 1 नग मोटरसाइकिल ड्रिम नियों क्र0 सी.जी.12 ए.के. 1388 को जप्त करने में सफलता प्राप्त हुई है। दिनांक 15.01.2024 को सूचना प्राप्त हई कि ओमपुर रजगामार के कुशल साहू पिता रम्भहन साहू उम्र 37 वर्ष चोरी के मोटर साइकिल में घुमते हुए दिखाई दिया है। उक्त सूचना पर आरोपी कुशल साहू को ओमपुर क्वाटर स्कूल के पास घेराबंदी कर पकड़ा गया और उसके बताये गये जगह डूमरढीह जंगल से 1 नग मोटर साइकिल ड्रिम नियों क्र0 सी0जी012 ए0के0 1388 को बरामद कर 379 भादवी में गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय पेश किया गया।

धान खरीदी केंद्र में घुसा हाथी, मचा हड़कंप

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले में हाथी का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है, कहीं मकान तो कहीं फसल बर्बाद कर रहे हैं. वहीं कोरबा के वनांचल क्षेत्र कुदमुरा के चचिया में शाम ढलते ही अंधेरे में एक दंतैल हाथी आ धमका. हाथी जंगल से होते हुए सीधे धान खरीदी केंद्र जा पहुंचा. हाथी के आने के बाद धान खरीदी केंद्र में हड़कंप मच गया और वहां मौजूद लोग कमरे में जा कर छुप गए. इसकी सूचना ग्रामीणों और वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को दी गई. हाथी धान खरीदी केंद्र में धूमता रहा फिर धान के बोरियों को खाने लगा. इस दौरान हाथी की चिंघाड़ सुनकर चौकीदार और उपस्थिति कर्मचारी डरे सहमे हुए थे. उसके बाद सभी ने जोर-जोर से हाथी को भगाने के लिए चिल्लाने लगे. जिसके बाद हाथी धान खरीदी केंद्र से निकलते हुए गांव से लगे जंगल की ओर निकल गया. जिसके बाद मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली. घटना स्थल पर मौजूद लोगों की माने तो हाथी काफी विशाल का था. हाथी ने धान खरीदी केंद्र में लगभग 20 से 25 बोरियों के धान को खो गया. इस घटना को धान उपार्जन केंद्र के कर्मचारियों ने मोबाईल कैमरे में कैद कर लिया है. केंद्र के कम्प्यूटर ऑपरेट गिरधारी राठिया ने बताया कि इस इलाके में हाथियों का झुंड पिछले कई दिनों से विचरण कर रहा है लेकिन धान खरीदी तक नहीं पहुचे थे. पहली बार धान खरीदी केंद्र के अंदर हाथी घुसा, इससे वह डरे सहमे हुए थे.

चोरी की मोटर साइकिल के साथ युवक गिरफ्तार

कोरबा(विश्व परिवार)। चोरी की मोटर साइकिल में घूमना एक युवक को महंगा पड़ गया। मुखबीर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी युवक को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार किया है। चौकी प्रभारी रजगामार लक्ष्मण प्रसाद खुटें अपनी टीम प्रधान आरक्षक 174 गुरूवार सिंह, 353 विनोद कुमार, आरक्षक 721 करण सिंह के नेतृत्व में बाइक चोर को पकड़ा है। पुलिस को किसी ने सूचना दी थी कि ओमपुर रजगामार के कुशल साहू चोरी के मोटर साइकिल में घुमते हुए दिखाई दिया। उक्त सूचना पर आरोपी कुशल साहू को ओमपुर क्वाटर स्कूल के पास घेराबंदी कर पकड़ा गया और उसके बताये गये जगह डूमरढीह जंगल से 1 नग मोटर साइकिल ड्रिम नियों बरामद कर 379 भादवी मैं गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय पेश किया गया है।

लाखों के कबाड़ के साथ दो गिरफ्तार

महासमुंद(विश्व परिवार)। लाखों का कबाड़ लेकर ओडिशा से छत्तीसगढ़ आ रहे एक वाहन चालक और परिचालक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी कबाड़ के संबंध में उचित दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाए। इसके चलते उन्हें पकड़ कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। मुखबीर की सूचना पर पुलिस ने एक टाटा 1109 वाहन को पकड़ा। वाहन चालक का नाम पता पूछने पर चालक ने अपना प्यारी लाल साहू पिता दुर्योधन साहू, उम्र 37 वर्ष, धुमाभाटा, थाना जगदलपुर (उड़ीसा) व ड्रायवर सीट के बाजू में बैठे व्यक्ति का नाम पता पूछने पर अपना नाम जोगेश्वर मांझी पिता धरणीधर मांझी, उम्र 19 वर्ष, सराईकेला, शाना जगदलपुर जिला बरगढ़ (उड़ीसा) का निवासी होना बताये। वही वाहन में क्या है पूछने पर वाहन के पीछे डाला में लोहे का एंगल, छड़, राड़, पाईप, लोहे का प्लेट, वाहनों के पार्टस बोरिंग का लोहा एवं विभिन्न प्रकार के लोहा टीना का कवाडी सामान होना बताया। जांच पड़ताल में कोई दस्तावेज नहीं होना बताया। संपूर्ण कार्यवाही थाना बसना पुलिस स्टाफद्वारा किया गया है।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, गुरूवार 18 जनवरी 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय तालठोकू फ़रमान और कांग्रेस का इनकार

बेरोजगारी का संगीन साया...

एक तो आशंका है कि इस वर्ष विश्व की विकसित अर्थव्यवस्थाएं मंदी का शिकार हो सकती हैं। दूसरी तरफ टेक कंपनियां अब बड़े पैमाने पर एआई का इस्तेमाल कर रही हैं। इस कारण पहले जितने कर्मचारियों की जरूरत पड़ती थी, अब उतनी नहीं रह गई है।नए साल की शुरुआत के साथ टेक्नोलॉजी क्षेत्र की कंपनियों में कर्मचारियों की छंटनी की खबरें आने लगी हैं। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, फेसबुक सभी ने एलान किया है कि इस वर्ष वे अपनी कर्मचारियों की संख्या में कटौती करेंगी। इसकी दो वजहें बताई गई हैं। एक तो आशंका है कि इस वर्ष विश्व की विकसित अर्थव्यवस्थाएं मंदी का शिकार हो सकती हैं। दूसरी तरफ ये कंपनियां अब बड़े पैमाने पर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) का इस्तेमाल कर रही हैं। इस कारण पहले जितने कर्मचारियों की जरूरत पड़ती थी, अब उतनी आवश्यकता नहीं रह गई है। इस बीच टीसीएस और इन्फोसिस जैसी भारत की भी बड़ी कंपनियों ने अपनी पिछली तिमाही की जो रिपोर्ट जारी की है, उसके परिणाम निराशाजनक आए हैं। इसका प्रभाव इस क्षेत्र में काम करने वाले लोगों पर अवश्य पड़ेगा। मतलब यह कि हाई टेक क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए संकटपूर्ण दिन आने वाले हैं। वैसे यह सूरत सिर्फ टेक क्षेत्र की नहीं है। संयुक्त राष्ट्र की श्रम एजेंसी अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) ने चेतावनी दी है कि नए साल में दुनिया भर में बेरोजगारी बढ़ने का अंदेशा है। आईएलओ ने कहा है कि साल 2022 में वैश्विक बेरोजगारी दर 5.3 प्रतिशत थी, जो पिछले साल थोड़ी बेहतर होकर 5.1 प्रतिशत रही। लेकिन आईएलओ के अध्ययन के मुताबिक 2024 में श्रम बाजार परिदृश्य और बेरोजगारी के बिगड़ने की आशंका है। इस साल वैश्विक बेरोजगारी दर बढ़कर इस साल 5.2 प्रतिशत पर पहुंच जाएगी। आईएलओ के मुताबिक जी-20 के सदस्य अधिकांश देशों में अतिरिक्त आय में कमी आई है। महंगाई बने रहने की वजह से जीवन स्तर में जो गिरावट हुई है, वह जल्द सुधरने वाली नहीं है। आईएलओ ने दुनिया भर में बढ़ती गैर-बराबरी और सुस्त उत्पादकता पर चिंता जताई है। लेकिन आईएलओ ने अपने एक अन्य अध्ययन के आधार पर कहा है कि चीन, रूस और मेक्सिको को छोड़कर जी-20 के सदस्य देशों में 2023 में औसत वास्तविक वेतन में गिरावट आई हुई। ब्राजील, इटली और इंडोनेशिया में वास्तविक वेतन में सबसे तेज गिरावट देखी गई।

तालठोकू फ़रमान और कांग्रेस का इनकार

पंकज शर्मा

हालांकि बहुतों को लगता है, मगर मुझे नहीं लगता कि 22 को अयोध्या पहुंचने के फ़रमान को सरयू में तिरोहित कर देने के कांग्रेसी निर्णय से उसे कोई चुनावी नुक़्सान होगा। उलटे इस से भारतीय जनता पार्टी समेत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तमाम सहयोगी संगठनों की नीयत पर प्रश्नचिह्न लग गया है।ज्मान्यता है कि प्रभु श्रीड्डराम ईसा से 5114 साल पहले जनवरी महीने की दस तारीख़ को जन्मे थे। तब चैत्र महीने का शुक्ल पक्ष था। इस दिन हम हर साल रामनवमी मनाते हैं। इस वर्ष रामनवमी 18 अप्रैल को है।ज्इसलिए सोनिया गांधी इस रामनवमी पर रामलला के दर्शन करने अयोध्या जाएं। मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी जाएं तो और अच्छा। 22 जनवरी को श्रीराम मंदिर तीर्थ क्षेत्र न्यास द्वारा भेजा गया रामलला के कथित प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आमंत्रण कांग्रेस ने 'बहुत आदरपूर्वक' अस्वीकार कर दिया। इस के बाद सारा 'मोशा मीडिया' कांग्रेस पर पिल पड़ा। उस ने छोटे परदे और कागज़ी पन्नों के दस्तरखूवान पर अपने समर्थक विशेषज्ञों को ऐसा परोसा, ऐसा परोसा कि इस मसले पर देश की भावनाएं उफन-उफन कर अपने गर्म सैलाब में सारे बुनियादी सवालों को बहा ले जाएं। मैं तो बहुत खुश हूं कि अर्णबों, अंजनाओं, नाविकाओं और उन के अनुवर्ती चट्टोबट्टों के फेंके तमाम पत्थरों के बावजूद भारत के सर्वसमावेशी आसमान में कोई सूराख़ नहीं हुआ। हो सकता है कि अपनी अस्वीकृति का ऐलान करने के प्रारूप की वाक्य संरचना गढ़ने में कांग्रेस ने उतनी परिपक्वता से काम नहीं लिया हो। लेकिन न तो यह गांधी के ज़माने की कांग्रेस है, न नेहरू और इंदिरा गांधी के ज़माने की। यह राजीव गांधी के वक़्त के प्रारूप-महारथी प्रणव मुखर्जी, पामुलपर्ति नरसिंह राव, विट्ठल गाडगिल और एच वाय शारदाप्रसाद के ज़माने की कांग्रेस भी नहीं है। यह सोनिया गांधी के दौर में अक्षर-विश्व रचने वाले नटवर सिंह, अर्जुन सिंह, मणिशंकर अय्यर और सुमन दुबे सरीखे सलीकेदारों की कांग्रेस भी नहीं है। सो, मैं राहुल

हालांकि बहुतों को लगता है, मगर मुझे नहीं लगता कि 22 को अयोध्या पहुंचने के फ़रमान को सरयू में तिरोहित कर देने के कांग्रेसी निर्णय से उसे कोई चुनावी नुक़्सान होगा। उलटे इस से भारतीय जनता पार्टी समेत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तमाम सहयोगी संगठनों की नीयत पर प्रश्नचिह्न लग गया है।ज्मान्यता है कि प्रभु श्रीड्डराम ईसा से 5114 साल पहले जनवरी महीने की दस तारीख़ को जन्मे थे। तब चैत्र महीने का शुक्ल पक्ष था। इस दिन हम हर साल रामनवमी मनाते हैं। इस वर्ष रामनवमी 18 अप्रैल को है।ज्इसलिए सोनिया गांधी इस रामनवमी पर रामलला के दर्शन करने अयोध्या जाएं। मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी जाएं तो और अच्छा।

गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के इस संक्रमण-समय में शब्द-विधा के वेदव्यास बने घूम रहे मुकरियों के भानुमति कुनबे द्वारा तैयार किए गए इतने संक्षिप्त और बेहद बचकाने मसविदे के लिए उन्हें माफ़ करता हूं और आप से भी 'छोटन के इस उत्पात' को 'बड़न होने के नाते क्षमा करने' का अनुरोध करता हूं। सोमवार, 22 जनवरी को अयोध्या नहीं जाने का सूचना कांग्रेस ने किन शब्दों में सार्वजनिक की, महत्व इस का नहीं है। बेहतरी की गुंजाइश हर मामले में हमेशा रहती है। लेकिन, मेरे हिसाब से, सब से बड़ी अहमियत यह है कि कांग्रेस ने अपने स्पष्ट इरादे का खुलेआम ऐलान तो किया; चुनावों में नफ़े-नुक़्सान की बात सोचे बिना एक फ़ैसला तो लिया; पार्टी के भीतर ही तरह-तरह के दबावों को दरकिनार कर के कमाल की दृढ़ता तो दिखाई; बनियादी मूल्यों और सिद्धांतों को फ़ौरी ज़रूरतों से ज़्यादा तरज़ीह तो दी; और, कलियुगी भौतिकता से परे जा कर राजनीति के चिरंतन दर्शन को अंगीकार तो किया। क्या आप को लगता है कि आज के 'दैहिक, दैविक, भौतिक ताप' के दौर में यह कोई मामूली बात है? इसलिए मैं कांग्रेस की 'सकल शीर्ष कतार' की तमाम ऊइयाइयों के बावजूद मानता हूं कि हमें उन्हें खारिज़ करने का अभी कोई हक़ नहीं है। इसलिए कि अभी उन सवालो के जवाब नहीं मिले हैं, जो अयोध्या के आसमान में तैर रहे हैं। सवाल है कि सनातन धर्म के सर्वोच्च धर्मगुरु ड्ड चारों शंकराचार्य ड्ड बाईस को अयोध्या क्यों नहीं जा रहे हैं; कि उन के उठाए गए शास्त्र-सम्मत ऐतराज़ दफ़न क्यों किए जा रहे हैं; कि आधे-अधूरे मंदिर में रामलला की हड़बड़-स्थापना के पीछे कौन-से चुनावी कारण हैं; कि अयोध्या का अध्यात्मीकरण हो रहा है या बाज़ारीकरण? जिस दिन इन सवालों के जवाब दे कर ज़िल्ल-ए-सुब्हानी या उन के कारिंदे भारतवासियों को अपने तर्कों से सहमत कर देंगे, देशवासी खुद कांग्रेसी कंगूरों को वहां छोड़ आएंगे, जहां पानी भी नहीं मिलता है। हालांकि बहुतों को लगता है, मगर मुझे नहीं लगता कि 22 को अयोध्या पहुंचने के फ़रमान को सरयू में तिरोहित कर देने के कांग्रेसी निर्णय से उसे कोई चुनावी नुक़्सान होगा। उलटे इस से भारतीय जनता पार्टी समेत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तमाम सहयोगी संगठनों की नीयत पर प्रश्नचिह्न लग गया है। क्या अब से पहले आप सोच भी सकते थे कि कट्टर हिंदुत्व के आलमबरदारों के दशकों के संघर्ष के बाद अयोध्या में जब राम के मंदिर की 'प्राणप्रतिष्ठा' हो रही होगी, तब देश में हिंदुओं का एक बड़ा तबका उस की शुचिता से जुड़े मसलों पर इतना गहन विमर्श कर रहा होगा? इतनी भावनात्मक लहर को विचारों के विश्लेषण के हवाले तो हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी के 'मैं-मैं वाद' ने खुद ही कर डाला। अगर उन्होंने रामलला को अपनी उंगली पकड़ा कर अयोध्या के मंदिर में प्रवेश कराने की संकीर्ण ललक पर काबू रखा होता तो क्या इस आयोजन की बलैयां लेने को समूचा देश आज उमड़ नहीं रहा होता? मगर खुद को जबरन हमेशा सब से अगली कतार में थोपने की अस्वस्थ फ़ितरत ने रामलला की प्राणप्रतिष्ठा के दूध को भी दो-फाड़ कर दिया। भारत के 80 फ़ीसदी बहुसंख्यक समाज के लिए ताजा सदी में इस से बड़े सर्वसम्मत उत्सव का दिन और कौन-सा होता? एक अकेले नरेंद्र भाई अगर छाती ठोक-ठोक कर सब पर भारी पड़ने की अपनी अंत:प्रकृति में ज़रा-सी तब्दीली कर पाते तो उन की भी महिमा बढ़ती और हिंदू समाज की गरिमा भी चौगुनी हो जाती। प्रारब्ध का अपयश योग इसे ही कहते हैं। बहुत बार किसी के हाथ से जीवन में बड़े अहम काम होने लिखे होते हैं। लेकिन अंतर्निहित दुर्भाग्य उस के सारे उपक्रमों को बखेड़े में डाल देता है। जो सर्वज्ञाता और सर्वशक्तिमान होने की ख़ामख़्याली के मकड़जाल में फंस जाते हैं, दैवीय विघ्नहर्ता शक्तियां भी उन से मुंह फेर कर बैठ जाती हैं।

विचार

ऊबे मतदाताओं का जनादेश

लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदाता अक्सर हर उस नई शक्ति को मौका देने का जोखिम उठाते हैं, जिसमें उन्हें संभावना नजर आती है। दूसरी तरफ अगर राजनीतिक दल और नेता लगातार अपना पुनर्आविष्कार ना करते रहें, तो वे लोगों में एक ऊब पैदा कर देते हैं। छत्तीस वर्ष पहले पूर्ण राज्य बनने के बाद से मिजोरम ने अब तक दो पार्टियों- कांग्रेस और मिजो नेशनल फ्रंट- का राज ही देखा था। इस पूरे दौर में दो नेता- ललथनहवला और जोरामथंगा- ही वहां की सियासत पर छाये रहे। इस गतिरुद्धता से ऊबे मिजोरम के मतदाताओं ने अब इन दोनों ही पार्टियों को विश्राम दे दिया है। ताजा विधानसभा चुनाव में उन्होंने सिर्फ चार साल पहले बनी पार्टी- जोराम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) को दो तिहाई बहुमत से सत्ता सौंप दी है। इस पार्टी के नौकरशाह रह चुके नेता ललडुहोमा अब मुख्यमंत्री बनेंगे। पूर्व आईपीएस अधिकारी ललडुहोमा एक राजनीतिक प्रशासक के तौर पर कैसी भूमिका निभाएंगे, यह तो बाद में जाहिर होगा। लेकिन इस जनादेश ने दो बातें साबित की हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदाता अक्सर हर उस नई शक्ति को मौका देने का जोखिम उठाते हैं, जिसमें उन्हें संभावना नजर आती है। दूसरी बात यह कि अगर राजनीतिक दल और नेता लगातार अपना पुनर्आविष्कार ना करते रहें, तो वे लोगों में एक ऊब पैदा कर देते हैं। इसकी कीमत उन्हें चुकानी पड़ती है। कांग्रेस को इस पहलू की कीमत लगभग सारे देश में चुकानी पड़ रही है। दरअसल, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में करारी हार के एक दिन बाद आए मिजोरम के चुनाव नतीजों ने उसके जख्म पर और नमक डाला है। जो पार्टी गुजरे 36 वर्षों में लगातार राज्य में एक प्रमुख शक्ति रही, वह इस बार वहां सिर्फ एक सीट जीत पाई है। जबकि भारतीय जनता पार्टी ने अपने हिंदुत्व के तमाम एजेंडे के बावजूद इस ईसाई बहुल राज्य में दो सीटें जीत ली हैँ। इस परिणाम ने भी यही रेखांकित किया है कि कांग्रेस अपने को नया रूप देने में विफल है, इसलिए मतदाताओं में नए सिरे से वह कोई उम्मीद नहीं जगा पा रही है। इस कारण वह धीरे-धीरे सियासत में अपनी प्रासंगिकता खो रही है। यह कड़वा तथ्य उसके सामने है कि जिस किसी राज्य में एक बार वह प्रथम दो स्थान से नीचे चली जाती है, वहां वह फिर खड़ी नहीं हो पाती। जाहिर है, अब मिजोरम में भी यह खतरा उस पर मंडरा रहा है।

पड़ोस में घटता प्रभाव?

दक्षिण एशिया में एक के बाद दूसरे देश भारतीय चिंताओं को नजरअंदाज कर चीन के प्रभाव क्षेत्र में जा रहे हैं। इससे भारतीय विदेश नीति के लिए चुनौतियां बढ़ती जा रही हैँ। हैरतअंगेज यह है कि इतनी बड़ी चुनौती पर देश में कोई चिंता नजर नहीं आती। भूटान और चीन सीमा विवाद हल करने की तरफ बढ़ रहे हैं, इस बात की अब पुष्टि हो गई है। इस बारे में समझौता होने से पहले संभवत: दोनों देश औपचारिक रूप से राजनयिक संबंध कायम करेंगे। इस हफ्ते भूटान के उप विदेश मंत्री सुन वाइदोंग ने बीजिंग की यात्रा की, जहां भूटान-चीन सीमा के परिसीमन और सीमांकन के लिए बनी संयुक्त तकनीकी समिति की जिम्मेदारियों और कर्त्तव्यों के बारे में समझौते पर दस्तखत किए गए। इसी बीच चीन का 'अनुसंधान' जहाज श्रीलंका पहुंच गया है। पिछले दिनों भारतीय मीडिया में यह खबर आई थी कि भारत ने श्रीलंका सरकार से कहा था कि वह इस जहाज को ना आने दे। इस तरह श्रीलंका ने लगातार दूसरे वर्ष चीनी जहाज के संदर्भ में भारतीय चिंताओं की अनदेखी की है। उधर मालदीव में नव-निर्वाचित राष्ट्रपति मोहम्मद मुइजे ने बीबीसी को दिए इंटरव्यू में यह साफ कहा है कि अगले महीने अपने पद की शपथ लेने के बाद भारतीय सुरक्षाकर्मियों को अपने देश से वापस भेजना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। मुइजे ने चीन की परियोजना बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव की जमकर तारीफ की और उसमें मालदीव की भागीदारी बढ़ाने का इरादा जताया। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल अभी कुछ ही समय पहले चीन की यात्रा करके लौटे हैं। उनकी इस यात्रा के दौरान नेपाल में बीआरआई की परियोजनाओं पर अमल संबंधी कई करार हुए। तो यह साफ है कि दक्षिण एशिया में एक के बाद दूसरे देश भारतीय चिंताओं को नजरअंदाज कर चीन के प्रभाव क्षेत्र में जा रहे हैं। इससे भारतीय विदेश नीति के लिए चुनौतियां बढ़ती जा रही हैँ। हैरतअंगेज यह है कि इतनी बड़ी चुनौती पर देश में कोई चिंता नजर नहीं आती। उलटे सत्ताधारी पार्टी और मेनस्ट्रीम मीडिया दुनिया में भारत के कथित रूप से बढ़ते प्रभाव का कथानक प्रचारित करने में जुटे हुए हैँ।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय फिर चर्चा में

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

उच्चतम न्यायालय की बैंच इस बात पर विचार करेगी कि क्या यह विश्वविद्यालय अल्पसंख्यक संस्थान है या नहीं अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय एक बार फिर चर्चा में आ गया है। विश्वविद्यालय की पहचान और इसकी वैधानिक स्थिति को लेकर इस विश्वविद्यालय की चर्चा बार-बार होती ही रहती है। दरअसल यह विश्वविद्यालय अपने जन्म काल से ही चर्चा में है। 1857 की आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों ने अनेक सबक सीखे थे और उसके अनुरूप भारत को लेकर अपनी नीति और रणनीति दोनों को ही बदला। इस लड़ाई में भारत के देसी मुसलमान अंग्रेजों के विपक्ष में खड़े थे। इसलिए अंग्रेजों को ऐसे मुसलमानों की तलाश थी, जो विदेशी मूल के हों और भारत के देसी मुसलमानों को अपने पिछलग्गू बना कर उनका नेतृत्व संभाल सकें। इसके लिए अंग्रेज हुक्मरानों ने अनेक उपाय किए जिनमें से अलीगढ़ में एक शिक्षा संस्थान की स्थापना भी एक था। अरब मूल के सैयद अहमद खान अंग्रेजों की इस योजना के नायक बने और उन्होंने अलीगढ़ में जो स्कूल खोला था, ब्रिटिश सरकार ने कुछ साल बाद उसे अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के रूप में अधिनियमित कर दिया। ब्रिटिश सरकार ने सैयद साहिब को भी 'सर' की उपाधि देकर उसका रुतबा बढ़ाया। इतिहास के विद्यार्थी जानते हैं कि भारत के विभाजन में, भारतीयों में हिंदू-मुसलमान का विवाद पैदा करने में इस विश्वविद्यालय का अग्रणी स्थान रहा। यही कारण था कि अंग्रेजों के चले जाने के बाद यह मांग की गई थी कि साम्प्रदायिकता की इस जड़ को समाप्त किया जाए। लेकिन तत्कालीन सरकार ने इसे स्वीकार नहीं किया। बात आई-गई हो गई। उसके बाद भारत का संविधान बना। संविधान के समय कुछ सदस्यों ने यह मांग की कि प्रस्तावना, जो संविधान की आत्मा का परिचायक है, में भारत एक सेक्युलर देश है, भी लिखा जाए। लेकिन संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष इसके विरोध में डट गए। उनका मानना था कि भारतीय स्वभाव से ही सेक्युलर हैं। लेकिन अंग्रेजी में लिखे जा रहे संविधान में सेक्युलर का अर्थ गलत निकाला जाएगा और यह साम्प्रदायिकता को बढ़ावा देगा। बाबा साहिब अंबेडकर ने इसके बजाय भारत में जो समुदाय अपने आपको मजहब के आधार पर अल्पसंख्यक मानते हैं, उनको अधिकार दिया कि वे अपने अलग से शिक्षा संस्थान खोल सकते हैं और वहां अपने मजहब की शिक्षा भी दे सकते हैं। लेकिन आपात स्थिति का लाभ उठाकर उस समय कांग्रेस ने संविधान की प्रस्तावना में ही सेक्युलर शब्द जोड़ दिया। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, जो भारत सरकार का शिक्षा संस्थान है, को लेकर मुसलमानों ने हल्ला मचाना शुरू कर दिया। हल्ला मचाने वालों में देसी मुसलमान कम थे, अरब-तुर्क-मुगल (एटीएम) मूल के मुसलमान यानी अशरफ समाज के मुसलमान ज्यादा थे। उन्होंने दावा किया कि यह शिक्षा संस्थान अल्पसंख्यक शिक्षा संस्थान है और भारत का मुसलमान अल्पसंख्यकों को अपना शिक्षा संस्थान अपनी मर्जी से चलाने का अधिकार देता है। इसलिए इस विश्वविद्यालय ने अपने यहां अनुसूचित जातियों के छात्रों के लिए सीटें आरक्षित करने से इंकार कर दिया। इसी प्रकार प्राध्यापक भर्ती में भी अनुसूचित जाति के प्रत्याशियों के लिए सीटें आरक्षित करने से इंकार कर दिया। मुसलमानों का कहना था कि यह संस्थान अल्पसंख्यक संस्थान है, इसलिए भारत सरकार विश्वविद्यालय को बाध्य नहीं कर सकती कि वह अनुसूचित जाति के लोगों को अपने यहां आरक्षण दे। कुछ लोगों ने समझाया भी कि नाम में मुसलमान लिख देने मात्र से ही कोई शिक्षा संस्थान अल्पसंख्यक नहीं बन जाता। न ही यह विश्वविद्यालय मुसलमानों द्वारा संचालित है। यह विश्वविद्यालय संसद के अधिनियम से संचालित है। इसका वित्त भार भी देश की आम जनता के पैसे से चलता है। यह केन्द्रीय सरकार का संस्थान है। लेकिन इसका कोई असर दिखाई नहीं दिया, उल्टा विश्वविद्यालय के मुसलमान छात्र इस बात पर अड़े रहे कि विश्वविद्यालय में पाकिस्तान के कायदे आजम मोहम्मद अली जिन्ना का चित्र लगेगा, जो अब भी लगा हुआ है। जाहिर है इससे अनुसूचित जाति के छात्रों और शिक्षकों में रोष पैदा होता। उनके समर्थक भी गुस्से में आते। कोई और रास्ता न देख कर देश के कुछ प्रबुद्ध लोगों ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर दी कि पहले यही फैसला हो जाए कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय अल्पसंख्यक संस्थान है या फिर केन्द्र सरकार के अन्य विश्वविद्यालयों की तरह ही है, और उसमें भी अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण के प्रावधानों को लागू करना अनिवार्य है? मामला उच्च न्यायालय में देर तक चला। अंतत: न्यायालय ने निर्णय दिया कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय मुसलमानों का अल्पसंख्यक संस्थान नहीं है। जाहिर है अब इस विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति के लोगों से अन्याय नहीं किया जा सकेगा। लेकिन कांग्रेस ने इससे पहले ही निर्णय कर लिया था कि न्यायालयों के इस प्रकार के फैसलों से कैसे निपटना है। इसकी शुरुआत उसने शाह बानो के केस में ही कर दी थी, जब शाहबानो उच्चतम न्यायालय से अपने शौहर से गुजारा भत्ता पाने का केस जीत चुकी थी। कांग्रेस सरकार ने उस फैसले को निरस्त करने के लिए बाकायदा संसद में कानून पारित कर सैयदों के हाथ मजबूत किए। और अशरफ समाज से वाहवाही लूटी। यही काम उसने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के निर्णय के मामले में किया। अब की बार फिर अशरफों ने कांग्रेस सरकार को पकड़ा और मनमोहन सिंह की सरकार ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी। केवल इतना ही नहीं, सरकार ने यह फैसला भी किया कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की शाखाएं देश के अन्य हिस्सों में भी खोली जाएंगी। बिहार के किशनगंज में तो इसकी तैयारी भी शुरू कर दी।

पेट्रोल पर निर्भरता कम करने के उपाय

राकेश शर्मा

इनमें से सबसे बड़ा जो बदलाव अत्यंत आवश्यक है, वो है पेट्रोल की खपत को नियंत्रित करने के लिए कोई पहल करना। यह पहल यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने स्तर पर करे तो अच्छा है, लेकिन यह संभव नहीं लगता क्योंकि हमारी मानसिकता कानून के खूंटे से बंध कर कार्य करने की हो चुकी है। इसलिए इसमें सरकार को प्रयास करके इससे संबंधित नियम बनाने की जरूरत है। इसके लिए आवश्यक है कि प्रत्येक गाड़ी के लिए प्रति माह पेट्रोल के प्रयोग की एक सीमा निर्धारित कर दी जाए भारतीय न्याय संहिता में हिट एंड रन से संबंधित कानून में बदलाव से नाराज ट्रक ड्राइवरों की हड़ताल से पेट्रोल के लिए विशेषकर निजी वाहन मालिकों में मची हाहाकार ने सभी को सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। पेट्रोल पंपों से जैसे ही पेट्रोल के खत्म होने की जानकारी आम जनता में फैली तो सभी ने अपनी गाडियों का स्टीयरिंग भी पेट्रोल पंपों की तरफ घुमा लिया जिससे पेट्रोल की कमी का संकट कम होने की बजाय और गहरा गया। बेशक यह दौर लंबा नहीं चला, लेकिन फिर भी इस बात का एहसास सभी को हो गया कि पेट्रोल-डीजल अब हमारी जरूरत से ज्यादा हमारी एक कमजोरी बन चुका है। पेट्रोल-डीजल की इस कमी से हमारे रोजमर्रा के कार्यों पर भले ही कोई बड़ा नकारात्मक प्रभाव न पड़ा हो, लेकिन पेट्रोल की पूर्ति में आई इस कुछ ही घंटे की कमी ने हमारी मानसिक स्थिति पर भी गहरा प्रभाव डाला है। पेट्रोल के बिना वाहन मालिकों को अपना भविष्य अंधकारमय दिखने लग पड़ा था और हर ओर यह चिंता फैल गई कि पेट्रोल की पूर्ति अगर बहाल न हुई तो हमारी जीवन की गाड़ी पर भी ब्रेक लग जाएगा। यही कारण था कि पेट्रोल की कमी से चिंतित कुछ वाहन मालिकों ने न केवल अपनी गाडियों की टंकियों को भरवाने का जुगाड़ किया, बल्कि घरों में भी पेट्रोल का स्टॉक इकट्ठा

करने की कोशिश की ताकि कुछ दिनों तक अपनी जरूरत को पूरा किया जा सके। वैसे यह चिंता काफी हद तक स्वाभाविक भी है, क्योंकि पेट्रोल-डीजल की निर्बाध आपूर्ति के ऊपर ही हमारी बहुत सी दैनिक क्रियाएं प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से निर्भर करती हैं। पेट्रोल की पूर्ति में आई कमी से सडकों पर कम वाहन नजर आए, क्योंकि कोई भी वाहन मालिक अपनी गाड़ी को व्यर्थ घुमाकर अपने पेट्रोल के स्टॉक से छेड़छाड़ करने का जोखिम उठाने को तैयार नहीं था। बसों के पहिए थमने से कुछ लोग पैदल चलते भी दिखाई दिए, जोकि अमूमन देखने को नहीं मिलता है। यहां पर इस बात पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है कि पेट्रोल की यह कमी हड़ताल की वजह से मानव निर्मित थी, लेकिन जरा सोचिए अगर कभी धरती ने अचानक प्राकृतिक ईंधन को उगलना बंद कर दिया तो हालात कैसे बन जाएंगे। जिंदगी की रफ्तार एकदम शून्य हो जाएगी। उस समय जो हालात पैदा होंगे, उनकी कल्पना मात्र से भी एक सिहरन पैदा हो जाती है। हालांकि यह भविष्य के गर्भ में छिपा हुआ है कि प्राकृतिक ईंधन कब तक इनसानी उपभोग के लिए उपलब्ध होता रहेगा, लेकिन इसमें कोई शक नहीं है कि प्राकृतिक ईंधन के भंडारों का दोहन जिस गति से इनसानी सहूलियत के लिए हो रहा है, उससे लगता है कि आने वाले वर्षों में हमें इसकी भारी किल्लत से जूझना पड़ सकता है, क्योंकि प्राकृतिक संसाधनों का यह भंडार कदापि असीमित नहीं है। यह बात विभिन्न सरकारों के संज्ञान में भी रही है। इसीलिए ऊर्जा के अलग-अलग स्त्रोतों को विकसित करने की कई योजनाओं पर कई वर्ष पहले ही कार्य शुरू किया जा चुका है। हम अपने जीवन में बहुत सी वस्तुओं के उपभोग के आदी हो चुके हैं जिसमें से पेट्रोल भी एक अहम वस्तु है। पेट्रोल के ऊपर हमारी निर्भरता बहुत अधिक है। इसका एक कारण यह भी है कि पेट्रोल के मुकाबले ऊर्जा के अन्य स्त्रोतों के विकास में आशानुरूप प्रगति नहीं हुई है। पेट्रोल के सीमित भंडार को ध्यान में रखते हुए हमारी जीवन शैली में कुछ बदलाव किए जाने आवश्यक हैं। इनमें से सबसे बड़ा जो बदलाव अत्यंत आवश्यक है, वो है पेट्रोल की खपत को नियंत्रित करने के लिए कोई पहल करना। यह पहल यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने स्तर पर करे तो अच्छा है, लेकिन यह संभव नहीं लगता क्योंकि हमारी मानसिकता कानून के खूंटे से बंध कर कार्य करने की हो चुकी है। इसलिए इसमें सरकार को प्रयास करके इससे संबंधित नियम बनाने की जरूरत है। इसके लिए आवश्यक है कि प्रत्येक गाड़ी के लिए प्रति माह पेट्रोल के प्रयोग की एक सीमा निर्धारित कर दी जाए। इस सीमा से अधिक पेट्रोल किसी भी सूरत में गाड़ी में न डाला जाए। इस केवल एक निर्णय से समाज के विभिन्न वर्गों को अनेक लाभ होने निश्चित हैं। इसमें से सबसे पहला लाभ यह होगा कि तेजी से समाप्त हो रहे हमारे प्राकृतिक ईंधन से संसाधनों पर कुछ रोक अवश्य लगेगी। अगर प्राकृतिक ईंधन समाप्त हो जाता है तो हमारी आने वाली पीढियां प्राकृतिक संसाधनों का केवल इतिहास पढने को मजबूर होंगी और यदि आज हम कुदरत के इस अनमोल तोहफे का प्रयोग संभल कर करते हैं, तो आने वाली पीढियां भी इसका लाभ ले पाएंगी। इसके अलावा पेट्रोल की खपत की सीमा निर्धारित करने से देश के नागरिक अपने कुछ काम, जिनके लिए आज गाड़ी का प्रयोग करते हैं, उनको पैदल चलकर करना चाहेंगे, क्योंकि ईंधन खपत की सीमा के निर्धारित हो जाने से वे ईंधन के बेहतरीन उपयोग के प्रति संवेदनशील रहेंगे, जिससे उनकी शारीरिक क्रिया होगी। और शारीरिक क्रियाएं स्वास्थ्य लाभ के लिए सबसे उपयोगी साधन हैं। इसके साथ-साथ ईंधन खपत की सीमा को निर्धारित करने से प्रदूषण, अनियंत्रित ट्रैफिक और ट्रैफिक जाम की समस्या को भी काफी हद तक नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। इसके साथ-साथ सडकों के रखरखाव पर भी कम राशि व्यय होगी और सार्वजनिक यातायात के ढांचे को मजबूती प्रदान करके सरकार अपने राजस्व में वृद्धि कर सकती है। पेट्रोल की खपत की सीमा निर्धारित होने से बिजली से चलने वाली गाडियों और ऊर्जा के अन्य स्त्रोतों को प्रयोग में लाने की तरफभी लोगों को आकर्षित किया जा सकेगा। एक मजबूत इच्छा शक्ति के साथ पेट्रोल की खपत को नियंत्रित करने से संबंधित निर्णय लिया जाना अत्यंत आवश्यक है।

मुनि श्री संधानसागर जी महाराज ने कहा- स्वयम्भू स्त्रोत संसार से भीति-प्रभु से प्रीति

कन्नड़ (विश्व परिवार)। संत शिरोमणी आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज जी के परम प्रभावक शिष्य युवा तरुणाई के प्रखर वक्ता मुनि श्री 108 संधान सागर जी महाराज ने संसार से मिति ध्ये बिना प्रभु से प्रीति नहीं होती प्रभु से प्रीति होने पर ही आत्मा की प्रतिति होती है। पूज्य श्री ने वासुपूज्य भगवान की स्तुति करते हुये कहा कि पूजा करने वाला ही पूज्य बनता है। प्रभु की आराधना जबइन्द्र-चक्रवर्ती आदि महान बुद्धि वालों द्वारा भी की जाती है तो फिर क्या अल्पबुद्धि वाला होकर भी प्रभु की भक्ति नहीं कर सकता क्या? उदाहरण देकर बताया कि हम भी भक्ति कर सकते हैं। जैसे सूर्य की आरती क्या दिपक से नहीं की जाती अवश्य ही जाती है। पूज्य श्री ने कहा अंह भाव के गलने पर ही अहोभाव की प्रादुर्भाव हो सकता है। मुनि श्री ने हायकु लिया- प्रभू पद में वाणी काया के साथ मन नहीं है, मन को वाणी एवं काया के साथ प्रभुचरणों में आने पर अलग कर दो। मन खुरापाती है, वह तिगडम लगता रहता है संत कहते है श्रद्धा में मन का काम नहीं।

बुद्धि का काम हमे भटकाता है, श्रद्धा से काम लों : 108 मण्डलीय शांतिविधान का वृहत आयोजन : संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के परम् प्रभावत युगल शिष्य मुनि श्री 108 दुर्लभ सागर जी महाराज एँव मुनि श्री 108 संधान सागर जी महाराज के पावन सान्निध्य मे कन्नड के इतिहास मे प्रथम बार 108 मण्डलीय शान्तिनाथ महामण्डल विधान होगा। गजानन रिसोर्ट के विशाल मण्डप मे यह आयोजन पुरे समाज व्दारा किया जा रहा है तीन प्रमुख मण्डलों के साथ 105 मण्डल छोटे होन्गे। 1100/की राशि मे स्वयं शान्तिनाथ महामण्डल विधान का पुण्यार्जक बनकर किया जा रहा है पूज्य मुनि श्री 108 संधान सागर जी महाराज ने बताया की इस विधान मे बाहर से भी इंद्र इन्द्राणी भाग ले रहे है। बा ब्रा विकास भैया जी विद्याना चार्य रहेंगे। इसी दिन श्री जी की विशाल शोभायात्रा भी होंगी।

-विद्यावाणी संकलन

जिनालय में भगवान की नासा दृष्टि और मोन स्वभाव का चिंतन जीवन में परिवर्तन लाता है : मुनि श्री प्रणितसागर जी महाराज

वैशाली नगर इंदौर (विश्व परिवार)। देव, गुरु, जिनालय के दर्शन क्यों किए जाते हैं, श्री महावीर स्वामी की आराधना का फल यही है कि हम अपने आराध्य की नासा दृष्टि, और भगवान के मौन स्वभाव जीवन में अपना सके। आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी के प्रभावक शिष्य इंदौर नगर गौरव मुनि श्री प्रणीत सागर जी महाराज ने 13 वर्षों के बाद जन्म नगरी इंदौर में प्रवेश के समय वैशाली नगर दिगंबर जैन मंदिर में यह उद्गार व्यक्त किए। मुनि श्री ने प्रवचन में बताया कि व्यक्ति जिनालय में जाकर सिद्धि, प्रसिद्ध या कार्य सिद्धि चाहता है, जिनका सिद्धि का लक्ष्य रहता है वह भगवान और साक्षात विद्यमान परमेष्ठि के समागम से जीवन में परिवर्तन कर सिद्धि का लक्ष्य रखते हैं, कुछ मनुष्यों का लक्ष्य प्रसिद्धि का रहता है और अधिकांश व्यक्ति का लक्ष्य सिद्धि और प्रसिद्धि नहीं होकर केवल कार्यसिद्धि होता है।जिन इंसानों का लक्ष्य कार्यसिद्धि है वह धरती पर भर स्वरूप है।आज नगर प्रवेश हुआ अनेक जिनालय बड़े जिनालय भी रास्ते में आए

भगवान के चेहरे का, गुरु के चेहरे का नेमी नगर जैन कॉलोनी, सुदामा नगर गुमास्ता नगर राजेंद्र नगर वैशाली नगर आदि। साधु पुरुष किए गए उपकार को भूलते नहीं है यही कारण है कि जिस चमत्कारी अतिशय से युक्त श्री महावीर स्वामी जिनालय वैशाली नगर से हमें वैराग्य की प्रेरणा मिली इसलिए नगर आगमन में पहले वैशाली नगर श्री महावीर जिनालय प्रवेश किया क्योंकि उपकारी का उपकार चुकाना प्रथम कर्तव्य है।

मुनिश्री ने 10 प्रकार के मुंडन का जिक्र करके बताया कि चक्षु और कर्ण इंद्रीय हाथ पैर इंद्रियों का संयम बहुत जरूरी है ताकि कर्ण कान अंतिम समय तक जिनवाणी का श्रवण कर सके और नेत्र दर्शन कर सके हूं मुनिश्री ने नौ प्रकार के मोन का वर्णन कर बताया कि व्यक्ति को जिनालय में प्रवेश करते समय तथा जीवन में नौ स्थानों पर मौन रहना चाहिए। मंदिर प्रवेश में पूजन करते समय, सामायिक करते समय, स्नान करते समय, वमन उल्टी करते समय, मल मूत्र का विसर्जन करते समय आदि समय मौन रहना चाहिए क्योंकि स्वर और व्यंजन मिलकर 64 वर्ण होते हैं इनका अगर विनय नहीं किया जाता है तो आपकी याददाश्त कमजोर हो जाती है इसलिए मौन रहने का उचित प्रबंधन जरूरी है।

इस अवसर पर मंगलाचरण के बाद श्री जी का चित्र अनावरण एवम् दीप प्रवज्जलन अतिथियों एवम् कमेटी के पदाधिकारियों ने किया मुनि श्री को अनेक कालोनी उप नगरों की समाज ने पधारने हेतु श्रीफल भेट किया। इसके पूर्व महाराष्ट्र में चातुर्मास पश्चात लगभग 700 द्वद्व विहार कर इंदौर दीक्षा गुरु से मिलन हेतु मुनि श्री प्रणित सागर एवम् मुनि श्री निर्मोह सागर जी का मंगल प्रवेश इंदौर में हुआ।संचालन देवेंद्र छाबड़ा ने किया। अध्यक्ष सुभाष, राजेश पांड्या विजय बज इंद्रमल अनुसार मुनि श्री का अल्प शीत कालीन प्रवास वैशाली नगर जैन मंदिर में रहेगा।

-राजेश पंचोलिया

श्रीमज्जिनेंद्र पंचकल्याणक में बने भगवान के माता-पिता का नगर आगमन पर किया भव्य स्वागत, माता-पिता के स्वागत एवं गोद भराई कार्यक्रम में उमड़े श्रद्धालु

मुनि श्री ने कहा- संयम को धारण कर सत्य के मार्ग पर चलें

तालबेहट/ललितपुर (विश्व परिवार)। कसबे के पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में सुबह मुनि विनम्र सागर महाराज के साथ मुनि निस्वार्थ सागर, मुनि निर्मद सागर, मुनि निसर्ग सागर, मुनि श्रमण सागर एवं क्षुल्लक हीरक सागर के सानिध्य में सामूहिक अभिषेक शांतिधारा एवं पूजन विधान का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुनि निस्वार्थ सागर महाराज ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए धर्म के आचरण से जीवन में होने वाले परिवर्तन को बताया, उन्होंने संयम को धारण कर वीर प्रभु द्वारा बताये गये सत्य के मार्ग पर चलने को कहा।

दोपहर में श्रीमज्जिनेंद्र पंचकल्याणक मूर्ति प्रतिष्ठा एवं गजरथ महामहोत्सव में भगवान के माता-पिता बनने का सौभाग्य प्राप्त कर वीना अजय जैन ललितपुर परिवार के नगर आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। सभी धर्मावलंबियों ने बग्गी डोल बैण्ड बाजे के साथ मर्दन सिंह स्टेच्यू पहुंचकर पेट्रोल पंप तिराहे के रास्ते भारी संख्या में जन समूह के मध्य जुलूस के साथ मन्दिर जी आये। तत्पश्चात मंदिर जी में माता-पिता का स्वागत एवं माता की गोद भराई कार्यक्रम में समाज की माता बहनों व पुरुष वर्ग ने सम्मिलित होकर पुण्य लाभ लिया। मुनि विनम्र सागर महाराज ने श्रीमज्जिनेंद्र पंचकल्याणक मूर्ति प्रतिष्ठा एवं गजरथ महामहोत्सव में भगवान के माता-पिता एवं प्रमुख पात्र बनने को परम सौभाग्य बताते हुए धर्म का मर्म समझाया। वहीं नरेंद्र जैन छोटे पहलवान ललितपुर की समिति ने चौबीसी के मूल नायक मुनिसव्रत नाथ भगवान की बड़ी प्रतिमा सहित चौबीस तीर्थंकर भगवंतों की मूर्तियों को मूल वेदी पर विराजमान किया। सायं काल की बेला में गुरु भक्ति एवं मंगल आरती की गयी। जिसमें वीर सेवा दल, अहिंसा सेवा संगठन, जैन युवा सेवा संघ, जैन मिलन, शिखरचंद्र, राजेंद्र कुमार, संतोष जैन, डॉ. सुरेश, आनंद जैन, महावीर, प्रकाश परिधान, यशपाल जैन, राजीव कुमार, कमलेश जैन, प्रवीन कुमार, अभय जैन, मेघराज मिठ्या, राकेश मोदी, प्रीतेश जैन, अजय जैन अज्जू, सुधीर कुमार, रीतेश चौधरी, सजल जैन, कपिल मोदी, हितेंद्र पवैया, अरविन्द जैन, आदेश मोदी, विशाल पवा, सौरभ मोदी, आकाश चौधरी, सौरभ पवैया, राहुल, स्वतंत्र, गौरव, नरेंद्र जैन, अमित कुमार, प्रिंस जैन, अभिषेक कुमार, आशीष जैन, अमन, अंकित, नितिन, मिलनराज, पीयूष, मयूर, आयुष, मुकुल, वैभव, अर्पित, इन्दर, आगम हर्ष जैन सहित सकल दिगम्बर जैन समाज का सक्रिय सहयोग रहा। संचालन चौधरी चक्रेश जैन एवं आभार व्यक्त मोदी अरुण जैन बसार ने किया। **-विशाल जैन**

सिटी कोतवाली में दक्षिणमुखी हनुमान विराजे, मंदिर में हुआ प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा

जशपुरनगर (विश्व परिवार)। शहर के सिटी कोतवाली परिसर में नवनिर्मित दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर की स्थापना की गई। जिसमें बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान हनुमान की प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा समारोह संपन्न हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच,हवन और विधि विधान से पूजन के साथ,मंदिर में भगवान हनुमान की प्रतिमा स्थापित की गई। जन सहयोग से निर्मित इस मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का शुभारंभ सोमवार को कलश यात्रा से हुई थी। कलश यात्रा में शहर की श्रद्वालु महिलाएं भारी संख्या में शामिल हुई। श्रद्वालु महिलाएं,सिर में कलश लेकर,पक्कीडांड़ी पहुंची और यहां का पवित्र जल लेकर,वापस मंदिर आई। पवित्र जल से,मंदिर परिसर की साफ करने के बाद,पंडित मनोज रमाकांत मिश्र ने प्राण प्रतिष्ठा की धार्मिक प्रक्रिया की शुरूआत गौरी गणेश की पूजा और वेदी व्रतिष्ठा से की। जलाधिवास,अन्नाधिवास

और फलाधिवास के साथ पहले दिन का आयोजन पूर्ण हुआ। मंगलवार को शर्कराधिवास,शय्याधिवास,शिखर कलश पूजा,इंद्र ध्वज पूजन,प्रसाद अभिषेक और आरती के साथ दूसरे दिन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अंतिम दिन,गौरी गणेश वेदी पूजन,मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा पूजन, श्रृंगार, हवन, आरती, नगर भ्रमण, और मूर्ति स्थापना किया गया। सिटी कोतवाली परिसर में विशाल भंडारा का आयोजन किया गया है। तीन दिन तक चलने वाले इस भंडारा के पहले दिन सोमवार खिचड़ी और मंगलवार को खीर का वितरण किया गया। इस भंडारा में कतारबद्व हो कर,हजारों श्रद्वालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर एसपी डी रविशंकर,एएसपी उमेश कश्यप, कोतवाली प्रभारी रविशंकर तिवारी, सेवानिवृत्त डीएसपी आरएस परिहार सहित पुलिस प्रशासन के अधिकारी, कर्मचारी और श्रद्वालु शामिल थे। **-जितेंद्र सिंह**

राष्ट्रहित चिंतक आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के आशीर्वाद से
पुस्तक "भारतीय शिक्षा के मूल तत्त्व" (लेखक- लज्जाराम तोमर)
पर आधारित...
गणतंत्र दिवस पर
'वतन की कमान'
निःशुल्क ऑन लाइन, खुली किताब प्रतियोगिता
23 से 30
जनवरी 2024
जीतिए बम्पर पुरस्कार
www.Vidyasagar.Guru
आचार्यश्री विद्यासागर मोबाइल ऐप्प
अभी QR कोड स्केन करें
रजिस्ट्रेशन व पूरी जानकारी हेतु..
पुस्तकें यहाँ भी उपलब्ध कीमत 50/- रु.
चल चरखा शोरुम
अतिशय तीर्थ क्षेत्र
चन्द्रगिरि, डोंगरगढ़ (छ.ग.)
मो. 8827050758
पंचबालयति मंदिर,
इंदौर (म.प्र.)
मो. 6232967108,
8989505108
जैन विद्यापीठ
भाग्योदय, सागर (म.प्र.)
मो. 8770985558
"वतन की कमान"
प्रतियोगिता पुरस्कार
'वतन की कमान'
निःशुल्क ऑन लाइन, खुली किताब प्रतियोगिता
23 से 30
जनवरी 2024
प्रथम पुरस्कार
लेप टॉप
(01 नग)
द्वितीय पुरस्कार
LED टी.वी.
(03 नग 40 इंच)
तृतीय पुरस्कार
LED टी.वी.
(05 नग 32 इंच)
चतुर्थ पुरस्कार
हथकरघा उत्पाद
(साड़ी इत्यादि)
(50 नग)
पंचम पुरस्कार
पेन ड्राइव
(100 नग)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर, गुरूवार 18 जनवरी 2024

संक्षिप्त समाचार

माओवादियों ने की युवक की हत्या

बीजापुर(विश्व परिवार)। रविवार की आधी रात ग्राम पुसनार धुर्वापारा निवासी 19 वर्षीय युवक रिशू पूनेम की माओवादियों के द्वारा धारदार हथियार से की गई हत्या। हत्या करने के बाद माओवादियों ने मृतक का शव पुसनार रोड पर मिला।परिजनों द्वारा थाना गंगालूर में घटना की सूचना दी गई। मामले की तस्दीक उपरान्त शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम पश्चात परिजनों को सौपा गया। विदित हो कि 12 जनवरी 24 को पुलिस और माओवादियों के बीच हुए मुठभेड़ में गंगालूर एरिया कमेटी के जनमिलिशिया कमाण्डर तोया पोटाम के मारे जाने के बाद बौखलाहट में माओवादियों के द्वारा निर्दोष ग्रामीण की हत्या की गई है। प्रकरण में थाना गंगालूर में पृथक से प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही की जा रही है।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने पकड़े 120 बोरा अवैध धान

गौरेला पेंड्रा मरवाही(विश्व परिवार)। आकस्मिक निरीक्षण के दौरान अवैध रूप से भंडारित पाए जाने पर तीन व्यापारियों के गोदामों से कुल 120 क्विंटल धान जप्त किया गया है। जानकारी के अनुसार थोक मंडी व्यापारी के गोदाम में स्टॉक से अधिक धान पाए जाने पर पेण्ड्रा में रतनलाल गोयनका के गोदाम से 50 क्विंटल (125 बोरी) धान एवं विकास ट्रेडिंग कंपनी से 20 क्विंटल (50 बोरी) धान जप्त किया गया। इसके अलावा बिना मंडी लाइसेंस के धान की खरीदी बिक्री करने पर कमलेश कुमार शुक्ला लटकोनी के गोदाम में अवैध भंडारित 50 क्विंटल (130 बोरी) धान जप्त किया गया। संयुक्त जांच दल में तहसीलदार पेंड्रा सुनील कुमार ध्रुव, खाद्य निरीक्षक जितेंद्र वासुदेव एवं मंडी सचिव ध्रुव कैवर्त शामिल थे।

प्रगतिशील किसानों को किया गया पुरस्कृत

दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)। जिले के जैविक किसानों का संगठन ''भूमगादी'' के द्वारा परंपरागत देसी बीज मंडई का आयोजन पुराना जनपद पंचायत भवन दंतेवाड़ा में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न ग्राम पंचायत से जैविक किसानों के द्वारा विभिन्न प्रकार के धान की किस्म,दलहन, तिलहन, विभिन्न प्रकार के कंदमूल,सब्जियों,लघु अनाज की विभिन्न किस्मों,जैविक खाद एवं दवा का प्रदर्शनी लगाया गया था। कार्यक्रम में उपस्थित कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए जिले के किसानों के साथ बातचीत करने के साथ-साथ क्षेत्र में उपजाए जाने वाले देसी बीजों की जानकारी ली गयी। इस कार्यक्रम में जैविक खेती के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषक श्रीराम नाग, श्रीमती तुलसी बाई ग्राम टेकनार, अनंतराम कौरगांव, गोकुल कुआकोंडा, देवचन्द नाग माडेदा,महादेव टेटम, कुलभूषण कासोली 2, अर्जुन चेरपाल, विजय बड़ेकरका, पुरनतरई ,लुदरू चौतु परचेली, शांतिबाई कासोली, पिलाराम कुतुलनार ,रामप्रसाद चितालूर, मोतीराम मैलावाड़ा को पुरस्कृत किया गया । इस कार्यक्रम में जिले के जैविक कृषि करने वाले किसानों अपने अनुभव अन्य किसानों के साथ साझा किया।

कलेक्टर ने जनचौपाल में सुनी आम नागरिकों की समस्याएं

गरियाबंद(विश्व परिवार)। जनचौपाल में कलेक्टर श्री दीपक कुमार अग्रवाल ने जिले के दूर दराज से आये नागरिकों, ग्रामीणजनों की मांग, समस्याओं एवं शिकायतों को सुनकर आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने जनचौपाल में आये ग्रामीणजनों से उनके आवेदन प्राप्त कर उनके नियमानुसार निराकरण करने के बारे में उन्हें अवगत कराया। आज के जनचौपाल में 87 आवेदन प्राप्त हुए। इस दौरान नागरिकों समस्याओं, मांगों एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किये। जनचौपाल में गरियाबंद गोवर्धनपारा के समस्त वार्डवासियों ने विद्युत केबल परिवर्तन एवं नया खम्भा लगाने, ग्राम तांवरबाहरा के रामभरोसा साहू ने मनरेगा अंतर्गत किये गए कार्य की राशि दिलाने, ग्राम छुईहा-जमाही के लोगों ने पीएम आवास अनुपूरक सूची में नाम जोड़वाने, ग्राम अतरमरा के लोगों ने पशुशेड की राशि दिलाने, ग्राम रोहिना की कामिन बाई ने मनरेगा अंतर्गत किये गए कार्य की राशि दिलाने, ग्राम नवाडीह की डोमेश्वरी ठाकुर ने वन अधिकार पत्र में नाम सुधारने, ग्राम डुमरबहाल की द्वादशी बाई ने बैंक खाता को पुन: चालू करने, ग्राम बिन्द्रानवागढ़ के रामअधार सिंह ठाकुर ने मुआवजा राशि दिलाने, ग्राम परसदाजोशी की महिला स्वसहायता समूह ने प्राथमिक शाला में मध्यान्ह भोजन संचालन करने, ग्राम गुजरा के बाबुलाल ने ओलावृष्टि से रबी फसल नुकसान की आर्थिक सहायता राशि प्रदान, ग्राम कपसीडीह के ग्रामवासी ने शासकीय भूमि पर अतिक्रमण हटाने जैसे संबंधित आवेदन प्रस्तुत किये।

निर्माणाधीन इंडोर स्टेडियम, धान खरीदी केंद्र, कृषि विज्ञान केन्द्र का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

निर्माणाधीन कार्य की गुणवत्ता और समय सीमा में पूर्ण करने के दिए निर्देश

धान खरीदी केन्द्रों में बुनियादी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें

दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के द्वारा आज गीदम विकासखंड के निर्माणाधीन इंडोर स्टेडियम जावंगा का निरीक्षण कर वहां चल रहे कार्यो को देखा और गुणवत्ता पर विशेष रूप से ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यो में नियमित (क्यूरिंग) पानी का इस्तेमाल भरपूर मात्रा करें ताकि आगे कोई इससे समस्या ना हो। साथ ही इसे समय सीमा में जल्द से जल्द पूर्ण करें। इसके पश्चात उन्होंने धान खरीदी केन्द्र हारम की भी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि धान खरीदी केन्द्र में पेयजल की व्यवस्था अंदर और बाहर दोनों स्थानों में सुनिश्चित होनी चाहिए। इसके साथ ही ''टेंपोलिंग'' की व्यवस्था पर ध्यान दे ताकि धान जिस स्थान पर रखा जा रहा है। वहां खास तौर पर धूप नहीं पड़नी चाहिए। उन्होंने बोरो को सिलने के लिए ज्यादा से ज्यादा मजदूर लगाकर 31 जनवरी से पहले ही कार्य को पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि धान बिक्री हेतु आये किसानों की सुविधाओं का ध्यान में रखते हुए उनके अनुरूप ही कार्य करें। इसके साथ ही कलेक्टर श्री चतुर्वेदी ने कृषि विज्ञान केन्द्र का भी निरीक्षण करते हुए निर्देशित किया कि बायोफ्लॉक प्रोडक्शन पर विशेष ध्यान दिया जाए। जिससे छोटी मछली उत्पादन क्षमता बढ़ सके और इसके अलावा कुक्कुट पालन के अन्तर्गत अंडा उत्पादन को बढ़ाए जाने के लिए विशेष प्रयास किए जाने चाहिए।

वन, खनिज, उद्योग और श्रम विभाग की कलेक्टर ने ली मासिक समीक्षा बैठक

सूरजपुर(विश्व परिवार)। वन, खनिज, उद्योग और श्रम विभाग की आज मासिक समीक्षा बैठक कलेक्टर श्री रोहित व्यास द्वारा ली गई। जिसमें कलेक्टर ने श्रम विभाग के योजनाओं और उनके क्रियान्वयन के सम्बंध में संबंधित अधिकारियों से जानकारी मांगी। इसके साथ ही बाल श्रम पर विस्तृत चर्चा की। जिसमें उन्होंने बाल श्रम कराए जा रहे स्थानों को चिन्हित कर विधिवत कार्यवाही के लिये कहा और पूर्णत: बाल श्रम के उन्मूलन पर फोकस करने के लिए निर्देशित किया। एसईसीएल से सीएसआर द्वारा क्षेत्र के आवश्यकता अनुरूप बेहतर प्रोजेक्ट डेवलप करने के लिए निर्देशित किया। इसके साथ ही उद्योग व अन्य विभागों के साथ उन्होंने शासन की योजनाओं और उनके क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी ली और उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में वन-मण्डल अधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी वन जिला, खनिज अधिकारी, जिला खनिज निरीक्षक, श्रम पदाधिकारी, जिला श्रम निरीक्षक, महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, महाप्रबंधक एस.ई.सी.एल उपस्थित थे।

अवैध धान परिवहन रोकने अधिकारी-कर्मचारी को कलेक्टर हरिस. एस ने दिए निर्देश

1 फरवरी को एलमागुण्डा में होगा सुविधा शिविर

सुकमा(विश्व परिवार)। जिले में नवनिर्मित आंगनबाड़ियों में विद्युतीकरण कर शीघ्र हस्तातरित करने के निर्देश कलेक्टर श्री हरिस. एस ने मंलवार को आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में दिए। बैठक में केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं सहित जिले में संचालित ग्रामीण एवं नगरीय विकसित भारत संकल्प यात्रा विस्तार से समीक्षा की। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना और आयुष्मान कार्ड सहित विभागीय कार्यों की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री हरिस.एस ने नवीन पीडीएस भवनों के संचालन हेतु संबंधित ग्रामों में स्व सहायता समूह का गठन कर उचित मूल्य दूकानों का संचालन सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही सेंदुरगुड़ा में नवीन पीडीएस दुकान खोलने हेतु निर्देश दिए। ओडिएफ प्लस के तहत व्यक्तिगत सोक पीट एवं सामुदायिक के लिए रिचार्ज पीट निर्माण के संबंध में और तरल एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री डीएन कश्यप, डीएफओ श्री अशोक कुमार पटेल, डीएसपी श्रीमती पारूल खण्डेलवाल सहित जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। पीडीएस वितरण की नियमित रूप से करें एट्री - कलेक्टर ने कहा कि शासन की योजनाओं से लाभान्वित होने हेतु आधार कार्ड आवश्यक हो गया है। जगरगुंडा, चितलनार, दोरनापाल ,किस्टाराम जैसे अंदरूनी क्षेत्रों में प्राथमिकता देकर हितग्राहियों के संबंधित पीडीएस की दुकानों में ईकेवाईसी कराने के निर्देश दिए। साथ ही पीडीएस दुकानों में वितरण सामग्री की जानकारी की नियमित रूप से ऑनलाइन एंट्री करने के निर्देश दिए। एलमागुण्डा में होगा सुविधा शिविर- लोगों को मूलभूत सुविधाएं गांव में ही पहुचाने के लिए एलमागुण्डा में 01 फरवरी से होगा सुविधा शिविर का आयोजन। इसके लिए कलेकटर ने संबंधित अधिकारियों को तैयारियों के संबंध में आवश्यक निर्देश और कहा कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को शिविर का लाभ लेने हेतु पंचायत विभाग सहित जानकारी देना सुनिश्चित करने को कहा। सघन जांच करने के दिए निर्देश - जिले में चल रही धान खरीदी को लेकर कलेक्टर ने अंतरराज्यीय से परिवहन हो रही अवैध धान को रोकन हेतु सघन रूप से जांच के साथ ही नोडल आफिसर सतर्क रहें, नियमित रूप से केंद्र जाने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री जनमन योजना : गणेश्वरी को मिला नया एलपीजी कनेक्शन

स्वच्छ ईंधन से धुआंमुक्त रसोई के साथ मिलेगा बेहतर स्वास्थ्य

कांकेर(विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) योजना अंतर्गत जिला पंचायत में आयोजित शिविर में जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति समूह 'कमार' समुदाय के कई हितग्राहियों को केन्द्र शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत लाभान्वित किया गया। इन्हीं लाभान्वित हितग्राहियों में से नरहरपुर विकासखंड के गांव मावलीपारा निवासी श्रीमती गणेश्वरी मंडावी भी हैं, जिन्हें प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत नया एलपीजी कनेक्शन मिला है। इस योजना से नया गैस चूल्हा एवं सिलेंडर मिलने से उत्साहित श्रीमती गणेश्वरी ने बताया कि पहले चूल्हे जलाने के लिए जंगल से लकडियां लानी पड़ती थीं। जंगल में सूखे लकड़ी ढूंढने और घर तक लाने में समय के साथ-साथ श्रम भी अधिक लगता था। साथ ही लकड़ी के जलने से निकलने वाले धुएं से आंखों में जलन एवं खांसी के साथ अन्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होती थी। बरसात के दिनों में नमीयुक्त लकड़ी को जलाने के लिए बहुत मशक्कत करनी पड़ती थी। श्रीमती गणेश्वरी ने बताया कि अब उन्हें गैस कनेक्शन मिलने से जंगल से लकड़ी लाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और धुआं से भी छुटकारा मिलेगा। इसके अलावा धुएं से होने वाले परेशानियां भी अब नहीं होंगी और स्वच्छ वातावरण में खाना बनाने में आसानी होगी तथा समय की भी बचत होगी। श्रीमती गणेश्वरी ने उज्ज्वला योजना के तहत नया एलपीजी कनेक्शन मिलने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार प्रकट किया।

कलेक्टर के निर्देश पर धान के अवैध भंडारण एवं परिवहन पर लगातार की जा रही कार्यवाही

देवभोग अनुविभाग में दो वाहन सहित 120 पैकेट धान जब्त किया गया।

देवभोग अनुविभाग में 537 किसानों के 577.62 हेक्टेयर रकबा समर्पण एवं 29961.4 क्विंटल धान समर्पण कराया गया

गरियाबंद(विश्व परिवार)। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल के निर्देश पर जिले में अवैध धान परिवहन पर लगातार कड़ी कार्यवाही की जा रही है। देवभोग एस डी एम सुश्री अर्पिता पाठक ने बताया कि कल देर शाम देवभोग अनुविभाग के अंतर्गत मगररोड़ा एवं झाखरपारा चेकपोस्ट में अवैध धान परिवहन करते 2 वाहनों पर जप्त कर कार्यवाही की गई है। जिसमें वाहन क्रमांक सीजी-23 जे-3028 एवं ओडी 26 7259 से 60-60 का अवैध परिवहन किया जा रहा था। इसी प्रकार देवभोग अनुभाग अंतर्गत किसानों द्वारा अलग-अलग गांवों में 537 किसानों के 577.62 हेक्टेयर रकबा समर्पण एवं 29961.4 क्विंटल धान समर्पण कराया गया है। उन्होंने बताया कि देवभोग अनुविभाग अंतर्गत 15 अंतर्राज्यीय चेकपोस्ट बनाए गए है। जहाँ चौबीस घंटे सातों दिन अधिकारी कर्मचारियों की ड्यूटी लगाकर कार्यवाही की जा रही है। मौके पर उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा लगातार गश्त की जा रही है। उपार्जन अवधि के दौरान ओड़िशा प्रांत से जिले के धान उपार्जन केन्द्रों में विक्रय के लिए आने वाले अवैध धान की परिवहन पर लगातार नजर रखकर कार्यवाही की जा रही है। धान परिवहन एवं भंडारण पर प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है।

कलेक्टर ने ली सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराने कलेक्टर दीपक ने अधिकारियों को दिए निर्देश

गरियाबंद(विश्व परिवार)। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई।जिले से होकर गुजरने वाली राष्ट्रीय सड़क मार्ग और राज्यकीय सड़क मार्ग के साथ-साथ ग्रामीण तथा वनांचल सड़कों में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए गहन विचार-विमर्श किया गया।कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि सड़क सुरक्षा न केवल एक महत्वपूर्ण विषय है,बल्कि दुर्घटनाओं में कमी लाकर अनेक लोगों की जिंदगियों को बचाया जा सकता है।श्री अग्रवाल ने आमजनों की जान-माल की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए।साथ ही नियमों की अनदेखी करने वालों पर सख्त कार्यवाही करने के लिए कहा।साथ ही लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक करने के लिए कहा।उन्होंने जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग एवं सहायक सड़कों के दुर्घटनाजन्य वाले स्थानों को चिन्हित कर रंबल स्ट्रिप बनाने,आवश्यक स्थानों पर साइन बोर्ड लगाने,घुमन्तु मवेशियों को सड़क से हटाने व रेडियम बेल्ट लगाने,रात्रि में अंधेरे की वजह से हो रही दुर्घटनाओं वाले स्थानों में प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा।सड़कों पर बैठने वाले आवारा पशुओं को गौठान,गौशाला या कांजीहाउस में रखे और सड़कों पर घुमने वाले पालतु मवेशियों के पशुपालकों के विरूद्ध चालानी कार्यवाही करे।कलेक्टर ने स्कूली वाहनों एवं यात्री बसों में सड़क सुरक्षा मानकों का गंभीरता से पालन कराने के लिए कहा।बसों की समय समय पर फिटनेस जांच अनिवार्य रूप से किया जाए साथ ही इन वाहनों में ओवर स्पीडिंग एवं ओवर लोडिंग के प्रकरण में परिवहन विभाग को कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले के संभावित दुर्घटना क्षेत्रों को चिन्हांकित कर सड़क सुरक्षा की दृष्टि से व्यापक इंतजाम करने के निर्देश दिए,जिससे दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

कलेक्टर के निर्देश पर जनदर्शन में दिव्यांग कमल कुमार को तत्काल प्रदान किया ट्रायसायकल

जनदर्शन में सुनी आम लोगों की समस्याएं, निराकरण के लिए त्वरित कार्यवाही करने के दिए निर्देश

बालोद(विश्व परिवार)। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल के निर्देशानुसार आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में जिले के डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के ग्राम गहिरा नवागांव के दिव्यांग युवक कमल कुमार को तत्काल ट्रायसायकल प्रदान किया गया। कलेक्टर चन्द्रवाल के त्वरित एवं संवेदनशील कार्यवाही के फलस्वरूप ट्रायसायकल मिलने से दिव्यांग युवक कमल कुमार बहुत ही प्रसन्नचित नजर आ रहे थे। उन्होंने कलेक्टर चन्द्रवाल के इस पहल की सराहना करते हुए जिला कार्यालय में आयोजित होने वाली जनदर्शन कार्यक्रम को उनके जैसे अनेक लोगों के लिए समस्याओं के निराकरण के लिए कारगर माध्यम बताया। संयुक्त जिला कार्यालय के जनदर्शन कक्ष में आज आयोजित जनदर्शन में कलेक्टर चन्द्रवाल ने जिले के विभिन्न स्थानों से पहुँचे लोगों से मुलाकात कर उनके मांगों एवं समस्याओं के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर चन्द्रवाल ने जनदर्शन में पहुँचे लोगों से आत्मीयता से बातचीत कर उनके मांगों एवं समस्याओं के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर चन्द्रवाल के मधुर एवं आत्मीय व्यवहार से आगन्तुकों में संतोष एवं प्रसन्नता का भाव स्पष्ट नजर आ रहा था तथा वे सभी अपने समस्याओं के निराकरण के लिए पूरी तरह से आश्वस्त नजर आ रहे थे। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल के निर्देशानुसार जिले के आम नागरिकों के समस्याओं का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित हेतु संयुक्त जिला कार्यालय के जनदर्शन कक्ष में प्रत्येक कार्य दिवसों में जनदर्शन का आयोजन किया जा रहा है। जिसका बेहतर प्रतिसाद सामने आ रहा है। जनदर्शन में आज वार्ड नंबर 12 डौण्डीलोहारा निवासी सुभोतिन, पेमिन उइके ने काबिज भूमि की पट्टा दिलाने की मांग की। ग्राम सिंघोला निवासी नारद राम साहू ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, भंवरमरा निवासी झमित पिस्दा ने सड़क निर्माण के दौरान अपने क्षतिग्रस्त मकान का मुआवजा दिलाने तथा गहिरा नवागांव निवासी बुधयारीन बाई ने राशनकार्ड बनाने आवेदन प्रस्तुत किया। जनदर्शन में आज जिले के विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में आवेदक अपने मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु कलेक्टर चन्द्रवाल से मुलाकात करने पहुंचे थे।

कमार जनजातियों के हितग्राहियों को लाईवलीहुड कॉलेज में कौशल प्रशिक्षण प्रारंभ

गरियाबंद(विश्व परिवार)। जिला परियोजना लाईवलीहुड कॉलेज गरियाबंद में 40 कमार जनजातियों के हितग्राहियों का आजीविका विकास कार्यक्रम अंतर्गत हाफ पेंट मेकिंग एवं चायनिज फास्ट फूड कोर्स में कौशल प्रशिक्षण गत दिवस 12 जनवरी युवा दिवस से प्रारंभ किया गया। सहायक परियोजना अधिकारी, लाईवलीहुड कॉलेज श्रीमती सृष्टि मिश्रा ने बताया कि यह प्रशिक्षण 15 दिनों तक चलेगी। जिसमें प्रशिक्षणार्थियों को उत्पाद विकास प्रशिक्षण, उद्यमिता प्रशिक्षण, वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण व मार्केटिंग एण्ड सेल्स प्रशिक्षण तथा फिडिंग के स्त्रोत सिखाया जायेगा। इस दौरान कलेक्टर श्री दीपक कुमार अग्रवाल ने कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे कमार जनजातियों के हितग्राहियों से विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण को प्रशिक्षणार्थी गंभीरतापूर्वक करें। इस दौरान 05-07 कमार हितग्राही के द्वारा उनके घर में टी.वी. एवं मोबाईल नहीं होने की जानकारी दी गई। इस पर कलेक्टर ने हितग्राहियों को समाज के मुख्यधारा एवं आजीविका से जुडने क लिए प्रोत्साहित किया गया।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर, गुरूवार 18 जनवरी 2024

व्यापार समाचार

2023 में वैश्विक स्मार्टफोन बाजार में एप्पल ने मारी बाजी, सैमसंग को पछाड़ हासिल किया पहला स्थान

नई दिल्ली(एजेंसी)। एप्पल 2023 में पहली बार वैश्विक स्मार्टफोन उद्योग में अग्रणी बन गई। कंपनी की बाजार में हिस्सेदारी अब 20.1 प्रतिशत हो गई है। मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। सैमसंग, जो वर्षों से वैश्विक स्मार्टफोन लीडर रहा है, 19.5 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गया। इंटरनेशनल डेटा कॉरपोरेशन (आईडीसी) की रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्मार्टफोन शिपमेंट साल दर साल 3.2 प्रतिशत घटकर 2023 में 1.17 बिलियन यूनिट रह गई। आईडीसी की वर्ल्डवाइड ट्रैकर टीम के अनुसंधान निदेशक नबीला पोपल ने कहा, एप्पल न केवल सालाना सकारात्मक वृद्धि दिखाने वाला शीर्ष 3 में एकमात्र खिलाड़ी है, बल्कि पहली बार सालाना नंबर 1 स्थान भी हासिल करता है। एप्पल ने बढ़ती नियामक चुनौतियों और अपने सबसे बड़े बाजार चीन में हुआवेई से नए सिरे से प्रतिस्पर्धा का सामना करने के बावजूद यह उपलब्धि हासिल की। पोपल ने कहा, एप्पल की चल रही सफलता और लचीलापन काफी हद तक प्रीमियम उपकरणों के बढ़ते चलन के कारण है, जो अब बाजार के 20 प्रतिशत से अधिक का प्रतिनिधित्व करता है, जो आक्रामक ट्रेड-इन ऑफर और ब्याज मुक्त वित्तपोषण योजनाओं से प्रेरित है। बाजार के शीर्ष पर रैंकिंग में समग्र बदलाव स्मार्टफोन बाजार के भीतर प्रतिस्पर्धा की तीव्रता को और उजागर करता है। आईडीसी के वर्ल्डवाइड मोबिलिटी और कंज्यूमर डिवाइस ट्रैकर्स के समूह उपाध्यक्ष रयान रीथ ने कहा, एप्पल ने निश्चित रूप से सैमसंग की रैंक में गिरावट में भूमिका निभाई है, लेकिन समग्र एंड्रॉइड स्पेस अपने आप में विविध हो रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीनी ब्रांड शाओमी वैश्विक स्तर पर 12.5 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ तीसरे स्थान पर है।

रेलवे के शेयरों में 17 फीसदी तक उछाल

नई दिल्ली(एजेंसी)। चौतरफा खरीददारी के चलते रेलवे के शेयरों में 17 फीसदी तक का उछाल आया, जिससे सेंसेक्स 73,000 के पार और निफ्टी 22,000 के पार पहुंच गया। आईआरएफसी में 17 प्रतिशत, आरवीएनएल में 11 प्रतिशत और इरकॉन में 7 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ रेलवे शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही। ये सभी स्टॉक 52 सप्ताह के नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। भारी मात्रा में कारोबार के चलते आईआरएफसी 52 सप्ताह के नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। टेक्समैको रेल 5 फीसदी, रेलटेल 4 फीसदी, राइट्स 4 फीसदी और ज्यूपिटर वैगन्स 5 फीसदी ऊपर है। प्रभुदास लीलाधर की एक रिपोर्ट के अनुसार, बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे के विकास (राजमार्ग, रसद, बंदरगाह, रेलवे, मेट्रो), रक्षा, पीएलआई और वैश्विक स्तर पर बढ़ती आय और कम उम्र की आबादी के साथ घरेलू मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। सोमवार को सेंसेक्स 593 अंक ऊपर 73,162 अंक पर है। विप्रो 7 फीसदी चढ़ा है। अन्य आईटी दिग्गज भी टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एचसीएल टेक के साथ 2 प्रतिशत से अधिक मजबूत हैं। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी.के. विजयकुमार ने कहा, बाजार में तेजी को अब फंडामेंटल्स से सपोर्ट मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आईटी सूचकांक जो 12 जनवरी को 5 प्रतिशत बढ़ा था, वह मजबूत रहेगा क्योंकि एचसीएल टेक और विप्रो के ऊपर जाने की अधिक गुंजाइश है।

एचडीएफसी बैंक लिमिटेड 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त तिमाही नौ महीनों के लिए वित्तीय परिणाम (भारतीय जीएएपी) जारी

मुंबई (एजेंसी)। 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए बैंक का समेकित शुद्ध राजस्व 113.5 प्रतिशत बढ़कर 717.7 बिलियन रुपये हो गया, जो 31 दिसंबर, 2022 को समाप्त तिमाही के लिए 336.2 बिलियन रुपये था। 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए कर पश्चात समेकित लाभ 172.6 बिलियन रुपये रहा जो कि 31 दिसंबर, 2022 को समाप्त तिमाही की तुलना में 35.9 प्रतिशत अधिक रहा। 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए प्रति शेयर आय 22.7 रुपये थी और 31 दिसंबर, 2023 तक प्रति शेयर बुक वैल्यू 576.0 रुपये थी।

31 दिसंबर, 2023 को समाप्त नौ महीनों के लिए कर के बाद समेकित लाभ 464.4 बिलियन रुपये था, जो 31 दिसंबर, 2022 को समाप्त नौ महीनों की तुलना में 39.0 प्रतिशत अधिक है।

31 दिसंबर, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए अन्य आय (गैर-ब्याज राजस्व) 111.4 बिलियन रुपये थी, जबकि 31 दिसंबर, 2022 को समाप्त तिमाही में यह 85.0 बिलियन रुपये थी। 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए अन्य आय के चार कम्पोनेंट थे, जिनमें फीस और कमीशन 69.4 बिलियन रुपये (पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 60.5 बिलियन रुपये), विदेशी मुद्रा और डेरिवेटिव राजस्व 12.1 बिलियन रुपये (पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 10.7 बिलियन रुपये), शुद्ध व्यापार और मार्क टू मार्केटगेन 14.7 बिलियन रुपये (पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 2.6 बिलियन रुपये का लाभ) और वसूली और लाभांश सहित विविध आय, 15.2 बिलियन रुपये (पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 11.1 बिलियन रुपये) है।

31 दिसंबर, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए परिचालन व्यय 159.6 बिलियन रुपये था, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही के दौरान 124.6 बिलियन रुपये से 28.1 प्रतिशत अधिक है। तिमाही के लिए लागत-से-आय अनुपात 40.3 प्रतिशत था।

प्री-प्रोविजन ऑपरेटिंग प्रॉफिट (पीपीओपी) पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में 24.3 प्रतिशत बढ़कर 236.5 बिलियन रुपये हो गया। 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए प्रावधान और आकस्मिकताएं 42.2 बिलियन रुपये थीं, जबकि 31 दिसंबर, 2022 को समाप्त तिमाही के लिए यह 28.1 बिलियन रुपये थी। वर्तमान तिमाही के लिए कुल प्रावधानों में 12.2 बिलियन रुपये के आकस्मिक प्रावधान शामिल हैं। कुल क्रेडिट लागत अनुपात (ऊपर उल्लिखित आकस्मिक प्रावधानों को छोड़कर) 0.49 प्रतिशत था, जबकि 31 दिसंबर, 2022 को समाप्त तिमाही के लिए यह 0.74 प्रतिशत था।

पूर्वत्तर में खेलों के विकास की हैं अपार संभावनाएं : राष्ट्रपति

शिलांग(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में खेल और खिलाड़ियों के विकास की अपार संभावनाएं हैं, साथ ही इस क्षेत्र में एक समृद्ध खेल संस्कृति भी है। राष्ट्रपति ने सोमवार को तुरा में मेघालय खेलों के 5वें संस्करण का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि विविधता भारत की सुंदरता है और खिलाड़ियों की प्रतिभा का उपयोग खेल क्षेत्र में भारत की वैश्विक छवि को और बढ़ावा देने के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों की प्रतिभाओं का समर्थन करने और उन्हें पेशेवर खिलाड़ी बनने के लिए तैयार करने की जरूरत पर जोर दिया। राष्ट्रपति ने यह जानकर प्रसन्नता जताई कि पूर्वोत्तर का समाज महिलाओं को खेलने और खेल को एक पेशे के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह देखते हुए कि पूर्वोत्तर ने कई महान महिला एथलीटों को जन्म दिया है, उन्होंने इस क्षेत्र में साहसिक खेलों और साहसिक पर्यटन की क्षमता को भी रेखांकित किया और इसे प्राथमिकता के आधार पर तलाशने और लाभ उठाने की जरूरत को भी रेखांकित किया। राष्ट्रपति ने कहा कि हाल के वर्षों में भारत की खेल संस्कृति काफी विकसित हुई है। उन्होंने कहा, सरकार की नई पहल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन के साथ भारतीय खिलाड़ी अब वैश्विक प्रतियोगिताओं में पहले से कहीं अधिक पदक जीत रहे हैं। द्रौपदी ने कहा कि खेलो इंडिया जैसे कार्यक्रम भविष्य के खेल चैंपियनों की पहचान करने और उनका पोषण करने में मदद कर रहे हैं। भारत ने बड़े पैमाने पर अंतर्राष्ट्रीय खेल और अन्य आयोजनों की मेजबानी करने की अपनी क्षमता भी प्रदर्शित की है। राष्ट्रपति ने बच्चों और युवाओं से कम से कम एक खेल सीखने और खेल-संबंधी गतिविधियों में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वे खेल को करियर के रूप में अपनाएं या न अपनाएं, लेकिन एक साथ खेलने से वे शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रहने के अलावा उनके व्यक्तित्व में टीम भावना और प्रतिस्पर्धात्मकता पैदा करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में इन खेलों को आयोजित करने का मेघालय सरकार का निर्णय एक स्वागत योग्य कदम है और इससे जनता के बीच ऐसे आयोजनों की व्यापक पहुंच सुनिश्चित होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मेघालय गेम्स जैसे आयोजन एथलीटों को उत्कृष्टता के लिए प्रोत्साहित करेंगे, प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देंगे और एक जीवंत खेल पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करेंगे। मेघालय खेलों में राज्य भर से 3,000 से अधिक एथलीट 22 स्पर्धाओं में भाग लेंगे। यह पहली बार है, मेघालय की तीन जनजातियों खासी, जैन्तिया और गारो की समृद्ध संस्कृति और परंपरा को खेलों के माध्यम से बढ़ावा देने के लिए स्वदेशी खेल मेघालय खेलों का हिस्सा होंगे। इससे पहले असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर राष्ट्रपति का स्वागत किया, जहां से मुर्मू ने हेलीकॉप्टर द्वारा पश्चिम गारो हिल्स जिले के बालजेक हवाईअड्डे के लिए उड़ान भरी।

सुमित नागल ने शुरुआती दौर में वर्ल्ड नंबर 27 बुबलिक को हराया

मेलबर्न(एजेंसी) । कौशल और दृढ़ संकल्प के शानदार प्रदर्शन से, सुमित नागल ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 में पहले दौर में अलेक्जेंडर बुबलिक पर लगातार सेटों में जीत दर्ज कर अपने करियर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। 26 वर्षीय भारतीय टेनिस खिलाड़ी, जिन्हें तीन साल पहले मेलबर्न पार्क में निराशा का सामना करना पड़ा था, ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे दौर में प्रवेश किया। अलेक्जेंडर बुबलिक का सामना करते हुए, दुनिया के 137वें नंबर के खिलाड़ी ने सटीकता और कौशल के साथ चुनौती का सामना किया और 6-4, 6-2, 7-6 (6-1) की जीत ने न केवल नागल को अगले दौर में पहुंचा दिया, बल्कि ग्रैंड स्लैम में पहले दौर के बाद उनकी दूसरी उपस्थिति भी दर्ज की। उनकी पिछली उपलब्धि 2020 यूएस ओपन में आई थी जब उन्होंने अंतिम चैंपियन डोमिनिक थिएम का सामना करने से पहले ब्रैडली क्लैन को हराया था। नागल की जीत का महत्व उनकी उपलब्धियों से कहीं अधिक है, क्योंकि 1988 के ऑस्ट्रेलियन ओपन में मैट्स विलेंडर पर रमेश कृष्णन की जीत के बाद वह 36 वर्षों में ग्रैंड स्लैम पुरुष एकल में किसी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराने वाले पहले भारतीय बन गए। बुबलिक के खिलाफ नागल के शानदार प्रदर्शन ने उच्च जोखिम वाले मैचों के दबाव को संभालने की उनकी क्षमता को प्रदर्शित किया। बुबलिक के विश्व रैंकिंग में 27वें नंबर पर होने के बावजूद, नागल ने पहले और दूसरे सेट में शुरुआत में ही ब्रेक लेते हुए दबदबा बनाए रखा।

सचिन भी हुए डीपफेक का शिकार, फेक वीडियो वायरल पर लोगों को किया सतर्क

नई दिल्ली(एजेंसी)। क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर भी डीपफेक का शिकार हो गए हैं। तेंदुलकर का एक डीपफेक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वह गेमिंग ऐप का प्रचार करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में न केवल सचिन को ऐप की वकालत करते हुए दिखाया गया है, बल्कि यह भी झूठा दावा किया गया है कि उनकी बेटी सारा उस ऐप से वित्तीय लाभ उठा रही हैं। 'मास्टर ब्लास्टर' ने तकनीक के दुरुपयोग पर अपने विचार रखने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया, और गलत सूचना के प्रसार के खिलाफ सतर्कता और तुरंत कार्रवाई का आग्रह किया। तेंदुलकर ने डीपफेक वीडियो को शेयर करते हुए एक्स पर लिखा, ये वीडियो फेक है। तकनीक के बड़े स्तर पर दुरुपयोग को देखना परेशान करने वाला है। सभी से अनुरोध है कि वे बड़ी संख्या में ऐसे वीडियो, विज्ञापनों और ऐप्स की शिकायत करें। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को शिकायतों के प्रति सतर्क और तुरंत कार्यवाई करने की जरूरत है। गलत सूचना और डीपफेक के बढ़ते चलन को रोकने के लिए उनकी ओर से तुरंत कार्रवाई करना बेहद महत्वपूर्ण है। डीपफेक अर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करके तैयार किया गया सिंथेटिक मीडिया का एक रूप है, जो वीडियो और ऑडियो दोनों में हेरफेर करने के लिए एक एल्गोरिदम का उपयोग करता है। यह तब चलन में आया, जब 2017 में एक उपयोगकर्ता ने हेरफेर किए गए वीडियो साझा करने के लिए एक मंच पेश किया। तब से, डीपफेक तकनीक लगातार विकसित होती रही, जो साइबर अपराधियों के लिए व्यक्तियों, कंपनियों या यहां तक कि सरकारों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का एक हथियार बन गई है। सोशल मीडिया, जहां सूचनाएं तेजी से फैलती हैं, डीपफेक से होने वाला संभावित नुकसान चिंताजनक है।

इनमोबी ने 125 कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की बनाई योजना

नई दिल्ली(एजेंसी)। सॉफ्टबैंक समर्थित मोबाइल विज्ञापन दिग्गज इनमोबी नौकरी में कटौती के दूसरे दौर में अपने 2,500 के वैश्विक कार्यबल में से 125 कर्मचारियों को निकालने की योजना बना रही है। इस कदम से कुल कर्मचारियों की संख्या पर लगभग 5 प्रतिशत प्रभाव पड़ेगा। जैसा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) दुनिया भर में फैल रही है, बाजार की जरूरतें और हमारे ग्राहकों - ब्रांड, एजेंसियों और डेवलपर्स - की हमसे अपेक्षाएं तेजी से बदल रही हैं। इनमोबी के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, बाजार की जरूरतों और ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए उत्पाद, उन उत्पादों को वितरित करने के लिए कौशल सेट और बाजार में जाने की रणनीतियां पिछले दशक की तुलना में काफी अलग होंगी। संगठन स्तर पर हम जो बदलाव ला रहे हैं, वह उपरोक्त जरूरतों को पूरा करने, प्रतिस्पर्धी बने रहने और इस दशक और उसके बाद विश्व स्तर पर जीत हासिल करने के लिए एक सक्रिय कदम है। पिछले साल जनवरी में कंपनी ने करीब 50 से 70 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था। इस बीच, रिपोर्टों के मुताबिक, फिनटेक लीडर पेटीएम ने अपने परिचालन, बिक्री और इंजीनियरिंग टीम से कई सौ कर्मचारियों को निकाल दिया है। कंपनी के एक प्रवक्ता ने प्रभावित लोगों की संख्या का खुलासा नहीं किया, लेकिन कहा कि कंपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए एआई-संचालित ऑटोमेशन के साथ अपने परिचालन को बदल रही है, विकास और लागतों में दक्षता बढ़ाने के लिए दोहराए जाने वाले कार्यों और भूमिकाओं को खत्म कर रही है, इसके परिणामस्वरूप हमारे काम में थोड़ी कमी आएगी। संचालन और विपणन में कार्यबल । पेटीएम के एक प्रवक्ता ने बताया,हम कर्मचारी लागत में 10-15 प्रतिशत की बचत करने में सक्षम होंगे क्योंकि एआई ने हमारी अपेक्षा से अधिक परिणाम दिया है। इसके अतिरिक्त, हम पूरे वर्ष गैर-प्रदर्शन के मामलों का लगातार मूल्यांकन करते हैं।

शाहरुख खान ने टाइड को बताया ' असली एसआरके - स्टेन रिमूवल किंग'

नईदिल्ली। दुनिया का नंबर 1 डिटर्जेंट ब्रांड, के पास उत्कृष्ट लॉन्ड्री समाधान उपलब्ध कराने के अपने ट्रेडिशन को जारी रखते हुए, एक ख़ास पार्टनरशिप के बारे में जबरदस्त खबर है। पिछले दस वर्षों में, टाइड ने नई उत्पादों जैसे टाइड मैटिक लिक्विड और टाइड पॉड्स को शामिल करके नवाचार पर अपना ध्यान केंद्रित किया है। टाइड का वादा है की वो उपभोक्ताओं को उनकी बदलती आदतों, कपड़ों और खान-पान की पसंदगी और जीवनशैली को अपनाकर खुश रखेगा। इन परिवर्तनों के जवाब में, टाइड ब्रूस्टेड स्टेन मैग्नेट के साथ नए और बेहतर संस्करण का शुभारंभ कर रहा है। यह उन्नत फॉर्मूला चाय, कॉफी, तेल और ग्रेवी जैसे कठिन दागों को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे पूरी सफाई सुनिश्चित होती है।

जीएसके का नया कैंपेन 7 वैक्सीनेशन के साथ 7 स्टार प्रोटेक्शन देने के लिए करेगा प्रोत्साहित

नईदिल्ली (एजेंसी)। ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड ने आज 1 से 2 साल की उम्र के शिशुओं को कई प्रकार की गंभीर बीमारियों के संक्रमण से सुरक्षा प्रदान करने वाले विभिन्न टीकाकरण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मल्टी-चैनल कैंपेन लॉन्च किया। इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स इस उम्र के बच्चों को 7 टीके लगवाने का सुझाव देता है। इनमें चिकनपॉक्स और हेपेटाइटिस ए की पहली डोज, मेनिंजाइटिस व एमएमआर की दूसरी डोज, पीसीवी एवं डीटीपी एचआईबी आईपीवी की बूस्टर डोज और फ्लू की वार्षिक डोज शामिल हैं। वैसे तो भारत में पहले साल लगने वाले टीके की कवरेज बहुत अच्छी है, लेकिन दूसरे साल में ड्रॉप आउट बढ़ जाता है। देश में बड़ी संख्या में बच्चों का आंशिक रूप से ही टीकाकरण हुआ है। ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन फार्मास्युटिकल्स, इंडिया की एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट मेडिकल अफेयर्स डॉ. रश्मि हेगड़े ने कहा पिछले तीन वर्षों में देश में चिकनपॉक्स, मीजल्स और फ्लू जैसी कुछ ऐसी बीमारियों के संक्रमण के मामले सामने आए हैं जिनसे टीकाकरण की मदद से बचाव संभव है। वैक्सीन से बचाव वाली बीमारियां मात्र शॉर्ट टर्म में ही बच्चों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव नहीं डालती हैं बल्कि इनसे बच्चों के संपूर्ण विकास पर लंबी अवधि में भी व्यापक दुष्प्रभाव पड़ता है टीकाकरण के पूरे शेड्यूल का पालन करने से स्वस्थ एवं प्रसन्न बचपन सुनिश्चित होता है इससे यह भी सुनिश्चित होता है कि बच्चे स्वस्थ वयस्क के रूप में बड़े हों। इस कैंपेन के माध्यम से हम माता-पिता से कहना चाहते हैं कि अपने बच्चों के दूसरे वर्ष में भी उनके लिए तय किए गए टीके उन्हें अवश्य लगवाएं। जीएसके का कैंपेन माता-पिता को दूसरे वर्ष में भी टीकाकरण के शेड्यूल का पूरी तरह पालन करने के लिए प्रेरित करेगा, जिससे इस तरह की बीमारियों से उनके बच्चों की लगातार सुरक्षा सुनिश्चित हो। आंशिक टीकाकरण बच्चों को संक्रामक बीमारियों के कारण गंभीर परेशानियों के खतरे में डाल सकता है। जिन बच्चों का आंशिक रूप से टीकाकरण हुआ है, वो परिवार में टीकाकरण न करवाए हुए अन्य छोटे बच्चों या बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील बुजुर्ग दादा-दादी के भी संक्रमण का शिकार होने का कारण बन सकते हैं।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बीजापुर (छ.ग.)
(जल जीवन मिशन)

"ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना"
(निविदा आमंत्रण सूचना)

जिला बीजापुर के विभिन्न विकासखण्डों के ग्रामों में नलजल प्रदाय योजना अन्तर्गत कार्य पाईप लाईन एवं घरेलू नल कनेक्शन के लिए एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अन्तर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु "प्रपत्र ए" में ऑनलाईन (Online) निविदा (प्रमुख अभियंता, लो.स्वा. यां. विभाग रायपुर छ.ग. के यु. एस. ओ. आर. दिनांक 01.06.2020 में Amedment date 01.07.2022 से प्रभावशील एवं निविदा जारी होने की तिथि तक समस्त संशोधन सहित दरों पर) आमंत्रित की जाती है। निविदाएँ मिशन संचालक महोदय के निर्देशानुसार दिये नये ड्राफ्ट एन.आई.टी. में उल्लेखित नियम एवं शर्तों के आधार पर आमंत्रित की जा रही है। ठेकेदार निविदाएँ साईट में अपलोड नये ड्राफ्ट एन.आई.टी. के नियम एवं शर्तों के आधार पर ही निविदा में भाग लेवें पुराने नियम एवं शर्तों के आधार पर भाग लेने पर अपात्र कर दिया जावेगा। जिसके लिए स्वयं जिम्मेदार होगें । आमंत्रित निविदाएँ निम्नानुसार है -

क्र.	निविदा क्रमांक / दिनांक	सिस्टम क्रमांक	विकासखण्ड	ग्राम	कॉल	कार्य की लागत (रू. लाख)	अमानत राशि (रू. में)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	755/12.01.2024	151507	Bhairamgarh	KOLNAR	6th call	24.26	18195/-
2	756/12.01.2024	151498	Bhairamgarh	EHKELI	6th call	13.51	10133/-
3	757/12.01.2024	151503	Bhairamgarh	PADMETA	6th call	15.94	11955/-
4	758/12.01.2024	151511	Bijapur	MARKAPAL	6th call	18.51	13883/-
5	759/12.01.2024	151523	Bho.Patnam	NILAMADGU	5th call	5.85	5000/-
6	760/12.01.2024	151525	Bho.Patnam	DUDME	5th call	6.11	5000/-
7	761/12.01.2024	151526	Bho.Patnam	FARSANAR	5th call	8.75	6563/-
8	762/12.01.2024	151537	Bho.Patnam	NETIWADA	5th call	8.11	6083/-
9	763/12.01.2024	151579	Bho. Patnam	GARTUL	5th call	9.54	7155/-

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की अंतिम तिथि दिनांक (Bid due date) 16.02.2024 तक आमंत्रित की जाती है। निविदाएँ डाउनलोड करने की तिथि (Bid start date) 16.01.2024 से है। निविदा की सामान्य शर्तें धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बीजापुर (छ.ग.)

G-07157/2

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, गुरुवार 18 जनवरी 2024

राज्य में अब तक 115.94 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 के तहत एक नवंबर 2023 से धान खरीदी का अभियान निरंतर जारी है। राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष मोदी जी की गारंटी के अनुरुप किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान की खरीदी की जा रही है। राज्य सरकार द्वारा अब तक किसानों से 115.94 लाख मीट्रिक टन धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी की जा चुकी है। धान के एवज में किसानों को 23448 करोड़ रूपए से अधिक की राशि का भुगतान बैंक के माध्यम से किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

नि:शुल्क कैंसर जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन आज

रायपुर (विश्व परिवार)। कैंसर रोग एक गंभीर बीमारी है जो किसी की जीवनशैली को प्रभावित कर सकती है। समय पर जांच और सही सलाह से इससे बचा जा सकता है। इसी मुख्य उद्देश्य के साथ, बालको मेडिकल सेंटर और लायंस क्लब, बिलासपुर ने मिलकर 18 जनवरी, 2024 को एक नि:शुल्क कैंसर जांच शिविर का आयोजन किया है। बालको मेडिकल सेंटर के अनुभवी कैंसर सर्जन डॉ. नूपुर प्रिया और उनकी टीम मरीजों की जांच करेंगे और उन्हें सही परामर्श प्रदान करेंगे। यह नि:शुल्क कैंसर जांच शिविर सुबह 10 बजे से लेकर सायं 2 बजे तक लायंस भवन, सीएमडी चौक, बिलासपुर में होगा। शिविर में शामिल होने वाली सेवाएं- नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श, मैमोग्राफी थर्मल स्क्रीनिंग मुख कैंसर परीक्षण स्त्री कैंसर रोग संबंधित परीक्षण। सम्पर्क जानकारी- व्यक्ति जो इस शिविर में भाग लेना चाहते हैं, वे अपना नाम, मोबाइल नंबर और उम्र व्हाट्सएप नंबर पर भेज सकते हैं। यदि किसी के पास डॉक्टर का पूर्व परीक्षण पेपर है, तो वह उसे भी साथ ले आएं। और जानकारी के लिए संपर्क करें- 82828 24444, 98271 56975.

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारम्भ, आयोजन 31 जनवरी 2024 तक

रायपुर (विश्व परिवार)। एक स्वस्थ और साफ वातावरण की दिशा में आज दिनांक 17-01-2024 को छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक, कॉर्पोरेट कार्यालय रायपुर में स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारम्भ किया गया। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक द्वारा 16-01-2024 से 31-01-2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। स्वच्छता पखवाड़ा के शुभारंभ के अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष महोदय श्री आई के गोहिल एवं समस्त सेवायुक्तों द्वारा स्वच्छता की शपथ ली गयी। उक्त कार्यक्रम में अध्यक्ष महोदय श्री आई के गोहिल ने संबोधित करते हुए सफाई की महत्वपूर्णता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता पखवाड़ा सिर्फ एक अभियान नहीं है; यह हमारे समुदाय और पर्यावरण के प्रति हमारी साझेदारी है। इस प्रकार के पहलों में सक्रिय भागीदारी देकर हम स्वच्छ और स्वस्थ राष्ट्र की दिशा में योगदान करते हैं। इस समारोह में बैंक के महाप्रबंधक श्री ए.के. निराला, श्री विजय अग्रवाल, श्री अरविंद मित्तल, श्री जी.एन. मूर्ति, सहायक महाप्रबंधक श्री कमलेश कुंदन एवं समस्त सेवायुक्तों की उपस्थिति थी।

मंत्री रामविचार नेताम ने तातापानी में यातायात नियमों की जानकारी के महोत्सव का किया शुभारंभ

राज्य में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2024 में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2024 के अवसर पर अनुसूचित जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम द्वारा बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के तातापानी में यातायात नियमों की वृहद जानकारी के महोत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने प्रदेश के समस्त नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। राज्य के विभिन्न जिलों में ग्राम चौपाल, सीट-बेल्ट, हेलमेट लगाने की प्रेरणा सहित सड़क सुरक्षा के अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गए।

राज्य के विभिन्न जिलों के 104 मुख्य प्रशिक्षकों को सड़क दुर्घटना की स्थिति में घायलों की सहायता, सुगम एवं सुरक्षित यातायात हेतु पहल तथा दुर्घटनाजन्य सड़क खण्डों के समीपवर्ती क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा जागरूकता के लिए प्रशिक्षण दिया गया। मुख्य प्रशिक्षक सड़क सुरक्षा मितान के 02 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन इंस्टीट्यूट ऑफ ड्रायविंग एण्ड ट्रैफिक रिसर्च ग्राम तेन्दुआ नवा रायपुर में किया गया। समापन समारोह में अध्यक्ष अंतर्विभागीय लीड एजेंसी(सड़क सुरक्षा) श्री संजय शर्मा द्वारा पारितोषिक और प्रमाण पत्र वितरण किया गया।

कार्यक्रम में प्रशिक्षित मुख्य प्रशिक्षकों द्वारा दुर्घटनाजन्य सड़क खण्डों के समीपवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले चिन्हित स्वयंसेवी मददगार, नेक व्यक्तियों, स्थानीय जन-युवाओं के नवयुवक मंडल, महिला मंडल, मितानिन, साक्षरता अनुदेशक, एन.सी.सी., एन.एस.एस, भारत स्काउट एवं गाईड तथा सेवानिवृत्त शासकीय अधिकारी-कर्मचारी, सामाजिक संस्थान के पदाधिकारी, भारत वाहिनी के साथी, शिक्षा मित्र आदि को जिला, ब्लॉक, ग्राम स्तर पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्युदर में कमी आएगी।

शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने किया हिंद इंग्लिश मीडियम स्कूल के कैलेण्डर का विमोचन

रायपुर (विश्व परिवार)। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल ने आज राजधानी रायपुर के संजय नगर स्थित हिन्द इंग्लिश मीडियम हाई स्कूल के नवीन बहुरंगी कैलेण्डर का विमोचन किया। इस अवसर पर मंत्री श्री अग्रवाल ने बहुरंगी सचित्र कैलेण्डर के प्रकाशन पर स्कूल के प्रबंध समिति को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

वर्ष 2024 के इस नवीन कैलेण्डर में शाला की शैक्षणिक, संस्कृतिक, खेलकूद तथा अन्य गतिविधियों व कार्यक्रमों को सचित्र प्रदर्शित किया गया है। कैलेण्डर विमोचन के अवसर पर मिर्ज़ा एज़ाज बेग और हिंद इंग्लिश मीडियम स्कूल के शिक्षकगण उपस्थित थे।

कलेक्टर के निर्देश के पालन हेतु सख्त हुआ नगर निगम, स्वच्छता को लेकर जारी है अभियान

सार्वजनिक शौचालयों की सफाई में लापरवाही, सुलभ इंटरनेशनल पर 30 हजार का जुर्माना

नियत संख्या से कम सफाई कर्मी काम पर मिले, ठेकेदार पर 10 हजार का जुर्माना

रायपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के निर्देश पर रायपुर नगर निगम क्षेत्र में संचालित विशेष स्वच्छता अभियान के तहत चल रहे निरीक्षण के दौरान सुलभ इंटरनेशनल सोशल सर्विस ऑर्गेनाइजेशन द्वारा संचालित जोन 08 के अटारी, जरवाय और डुमरतालाब सामुदायिक व सार्वजनिक शौचालयों में गंदगी, अव्यवस्थता और फीडबैक मशीन बंद पाए जाने पर 30 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया गया है। नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा द्वारा नागरिक सेवाओं के बेहतर प्रबंधन हेतु सभी जोन अधिकारियों को जो व्यापक दिशा-निर्देश दिए गए हैं, उसके तहत यह कार्यवाही की गई है।

जोन 08 के कमिश्नर श्री अरूण ध्रुव के अनुसार इन तीनों सार्वजनिक शौचालयों का रख-रखाव सुलभ इंटरनेशनल सोशल सर्विस ऑर्गेनाइजेशन द्वारा किया जाता है। निरीक्षण के दौरान अटारी में बने सुलभ शौचालय में नल की टोटी टूटी पाई गई और सेनेटरी और फीडबैक मशीन बंद मिली, सफाई में भी लापरवाही देखते हुए 10 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया गया। इसी तरह जरवाय सुलभ शौचालय में नल की टोटी टूटी पाए जाने व सफाई नहीं होने पर 10 हजार तथा डुमरतालाब शौचालय का वॉश बेसिन, मिरर सही नहीं होने तथा फीडबैक मशीन बंद पाए जाने के कारण 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

जोन 08 में वार्ड क्र. 01 वीर सावरकर वार्ड में निरीक्षण के दौरान जगह-जगह गंदगी पाई गई और सफाई हेतु निर्धारित कर्मचारी संख्या में भी कम मिले, इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए सफाई ठेकेदार अनिल गेलारे 10 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया गया। सफाई ठेकेदार को कड़ा पत्र लिखकर सभी सफाई कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण देने तथा वार्ड में निर्धारित संख्या अनुरूप सफाई कर्मचारी तैनात करने के निर्देश जोन आयुक्त ने दिए है। स्वास्थ्य अधिकारियों से भी कहा गया है कि हर वार्ड में कर्मचारियों की नियत संख्या का पर्यवेक्षण कर सफाई व्यवस्था सुदृढ़ रखी जाए, ताकि नागरिकों को असुविधा न हो।

वैदिक मंत्रोपचार से हुआ स्वदेशी मेला स्थल का भूमिपूजन

साइंस कॉलेज ग्राउंड में 25 से 31 जनवरी 2024 तक होगा मेले का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता के साथ उन्नत भारत का लक्ष्य निर्धारित करके विगत 20 वर्षों से आयोजित होने वाले बहुप्रतिक्षित स्वेदशी मेले के स्थल का वैदिक मंत्रोपचार के साथ बुधवार को भूमि पूजन किया गया। भूमि पूजन के लिए वैदिक विधियों और मंत्रों के साथ आराधना के लिए सपत्निक विराजित मेला संयोजक अमर बंसल ने इस अवसर पर कहा कि संपूर्ण विधिविधान से आराधना करके समस्त सकारात्मक ऊर्जा का आह्वान किया गया है। विगत वर्षों की सफलता की परिपाटी को कायम रखते हुए स्थानीयता को मंच प्रदान करने की हमारी कोशिश निर्विघ्न, सानंद सपन्न हो, इसी भावना के साथ भारत माता की आराधना की गई है।

7 दिनों तक आयोजित होने वाले इस विशिष्ट मेले में देश के विभिन्न राज्यों के सैकड़ों स्थानीय उत्पादों की विविध श्रृंखला एवं विशिष्ट उत्पादों को प्रदर्शित तथा बिक्री के लिए रखा जाएगा। जहां संध्या से रोशनाई में मेला गुलज़ार रहेगा वहीं प्रतिदिन दोपहर में मेला प्रांगण में व्यंजन, केशसज्जा, मेहंदी, रंगोली, चित्रकला, शिशु वेशभूषा, एकल नृत्य, समूह नृत्य, क्राफ्ट सहित सभी उम्र के लोगों के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित होगीं जिसमें उन्हें विभिन्न पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इस अवसर पर मेला समिति अध्यक्ष संजय चैधरी, , मेला सह संयोजक नवीन शर्मा, प्रबंधक सुब्रत चाकी, जी आर भगत, दिग्विजय भाकरे, शीला शर्मा, सुमन मूठा, हरशीला रूपाली, अर्चना वोरा, इंदिरा जैन, तृप्ति चैहान सहित बड़ी संख्या में मेला समिति से जुड़े पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सिपेट, कोरबा द्वारा इंडस्ट्री इंटरेक्शन मीट का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट), आईएसओ 9001= 2015 क्यूएमएस, एनएबीएल, बीआईएस, एनएबीसीबी से मान्यता प्राप्त, रसायन और पेट्रोकेमिकल्स विभाग, रसायन और उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक अग्रणी संस्थान है। संस्थान देश में प्लास्टिक और संबद्ध उद्योगों के विकास के लिए कौशल विकास, प्रौद्योगिकी सहायता सेवाएं, शैक्षणिक और अनुसंधान (स्टार) गतिविधियों के लिए समर्पित है।

सिपेट, कोरबा के द्वारा प्लास्टिक्स एवं पॉलिमर उद्योगों के साथ जुड़ने के लिए और इस क्षेत्र मे तकनीकी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए 16 जनवरी 2024 को चांपा मे औद्योगिक बैठक (इंडस्ट्री इंटरेक्शन मीट) का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जांजगीर-चांपा के स्थानीय और आसपास के क्षेत्रों से कुल 22 उद्योगो के प्रतिनिधियों व इस क्षेत्र मे इच्छुक उद्यमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपने औद्योगिक व्यवसाय का अनुभव साझा किया। बैठक का मुख्य एजेंडा उद्योगो के प्रतिनिधियों के साथ वार्तालाप एवं उनकी तकनीकी कौशल आवश्यकताओं को समझना और उनकी जरूरतों को पूर्ण करने के लिए सिपेट किस प्रकार अधिक सहायक हो सकता है, इसका मूल्यांकन व सुझाव प्रदान करना है। कार्यक्रम के दौरान बांका बायोलू लिमिटेड, हैदराबाद के प्रतिनिधि श्री अभिमन्यु भारद्वाज जी के द्वारा बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक सामग्रियो के महत्व पर एक प्रस्तुति दी गई।

सिपेट, कोरबा के श्री राजीव कुमार लिल्हारे, प्रबंधक (तकनीकी) द्वारा मुख्य अतिथि श्री राम खंडेलवाल, प्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र जांजगीर-चांपा एवं श्री अजय बंसल, प्रबंध निदेशक श्री मारुति इंडस्ट्रीज, चांपा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे, जिनको स्वागत स्वरूप पौधा भेंटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान श्री राजीव कुमार लिल्हारे, प्रबंधक (तकनीकी) ने सिपेट द्वारा आयोजित इंडस्ट्री इंटरेक्शन मीट के महत्व को विस्तार से बताया, इससे हितधारकों को सार्थक चर्चा में शामिल होने और सहयोग के रास्ते तलाशने का एक मूल्यवान अवसर बताया। हम ऐसी पहलों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो पॉलिमर के क्षेत्र मे औद्योगिकीकरण को बढ़ावा दें और पॉलिमर उद्योग के विकास में योगदान दें। इसी तारतम्य मे श्री राम खंडेलवाल जी के द्वारा भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा प्लास्टिक्स औद्योगिक क्षेत्र मे प्रदान की जाने वाली विभिन्न योजनाओ, सहायता एवं सुविधाओं की जानकारी साझा की एवं श्री अजय बंसल जी ने सिपेट द्वारा प्रदान की जाने वाली तकनीकी सहायता सेवाओं तथा इंडस्ट्री इंटरेक्शन मीट चांपा मे आयोजित की जाने की पहल की सराहना की।

उक्त कार्यक्रम मे सिपेट, कोरबा से डॉ दिवेश बी मेश्राम, तकनीकी अधिकारी, श्री अक्षय खटोड़, सहायक तकनीकी अधिकारी, श्री वरूण कुमार गुप्ता, श्री भावेश भाई प्रजापति, श्री मुकेश साहू एवं गणमान्य औद्योगिक संस्थान प्रमुख उपस्थित रहें।

अग्निवीर भर्ती के लिए कार्यशाला का आयोजन आज, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा होंगे मुख्य अतिथि

रायपुर (विसं)। भारतीय सैन्य बलों में अग्निवीर भर्ती के लिए संभाग स्तरीय कार्यशाला का आयोजन कल 18 जनवरी को पूर्वान्ह 10:30 बजे से राजधानी के शहीद स्मारक भवन में किया जाएगा। इसके मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा होंगे।

इस कार्यशाला में भारतीय वायु सेना, भोपाल से विंग कमान्डर श्री पारस अग्रवाल एवं भारतीय थल सेना, रायपुर से मेजर श्री पी. के. माथुर अग्निवीर भर्ती के संबंध में जानकारी प्रदान करेंगे। कार्यशाला में प्रतिभागी के रूप में प्रदेश के सभी जिलों के जिला रोजगार अधिकारी, रायपुर संभाग के जिला शिक्षा अधिकारी, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के प्राचार्य/अधीक्षक, महाविद्यालयों के प्राचार्य, हायर सेकेण्डरी स्कूलों के प्राचार्य, पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों के प्राचार्य सहित शिक्षण संस्थाओं के छात्र उपस्थित रहेंगे।

रामलला के ननिहाल में पहली बार सुनें और देखें श्री राम मंदिर के 500 वर्षों का इतिहास 'गाथा श्रीराम मंदिर की'

मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया

रायपुर (विश्व परिवार)। पूरे देश और दुनिया में प्रभु श्री राम के आने की प्रतीक्षा हो रही है। हर किसी को 22 जनवरी का इंतजार है जब अयोध्या में भगवान श्री राम 500 से अधिक वर्षों के बाद मंदिर में पुन: विराजनान होंगे। राम महोत्सव को लेकर देश भर में विभिन्न तरह के आयोजन किए जा रहे हैं। इसी के तहत भगवान श्री राम के ननिहाल छत्तीसगढ़ में 20 जनवरी को छत्तीसगढ़ संस्कृति विभाग के प्रयोजन से पुलिस परेड ग्राउंड में 'गाथा श्रीराम मंदिर की' का आयोजन होने जा रहा है।

इस गाथा में 500 साल पहले आक्रांताओं द्वारा मंदिर तोड़े जाने और इसके बाद से शुरू श्रीराम जन्मभूमि को मुक्त कराने की गाथा सुनाई जाएगी। कार्यक्रम पुलिस परेड ग्राउंड, पुलिस लाइन बैरन बाजार में शाम 6 बजे से आरंभ होगा। 75 मिनट की इस गाथा में आपके सामने 2000 से अधिक वर्षों का इतिहास नजर आएगा। धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस परेड ग्राउंड में 20 जनवरी शाम 6:00 बजे गाथा श्रीराम मंदिर की संगीतमय महागाथा का आयोजन होने जा रहा है। इसमें अयोध्या के राम मंदिर की वर्ष 1525 से लेकर जनवरी 2024 तक की कहानी का संगीतमयी वर्णन होगा। यह प्रस्तुति एक लाइव म्यूजिकल बैंड के साथ होगी। श्रीराम जन्मभूमि की तपस्या एवं संघर्ष की सत्य गाथा के इस कार्यक्रम में प्रवेश नि:शुल्क रहेगा। श्रीराम मंदिर की महागाथा को सुर-संगीत में श्रद्धालु देख और सुन सकेंगे।

इस गाथा में श्रीराम से चल कर लवकुश से शुरू होकर अयोध्या पर हुए तमाम हमलों और अयोध्या के रक्षकों की चर्चा होती है जिसमें हर उस महत्वपूर्ण व्यक्ति का नाम है, जो अयोध्या और श्रीराम मंदिर से सम्बद्ध है। साथ ही राजा विक्रमादित्य और माँ अहिल्याबाई होल्कर द्वारा मंदिर के जीर्णोद्धार, बैरागी साधुओं के संघर्ष, गर्भगृह से रामलला का निकाला जाना, गर्भगृह में रामलला का प्रकट होना, कार सेवा, कोठारी बन्धुओं के बलिदान, राजनीतिक उथल-पुथल और वर्तमान निर्माणाधीन मंदिर की भव्यता, दिव्यता और उसके पीछे केंद्र और राज्य सरकार के संकल्प का चित्रण किया गया है। गाथा श्री राम मंदिर आयोजन के प्रायोजक संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ शासन, सह प्रायोजक रामराज मिनरल्स एवं कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड, आयोजन कर्ता फ्रेमफॉक्स मीडिया एवं संत कबीर जन कल्याण समिति तथा सहयोगी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, नवबोध प्रकाशन, पूज्य शदाणी दरबार तीर्थ स्थल, सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ इकाई है।

रामलला के ननिहाल में पहली बार सुनें और देखें श्री राम मंदिर के 500 वर्षों का इतिहास 'गाथा श्रीराम मंदिर की'

रायपुर रेल मंडल में अंतर मंडलीय रेलवे स्कूल सांस्कृतिक प्रतियोगिता (नृत्य)-2023 'अन्वि-शालोम के अंतर्गत शास्त्रीय एकल नृत्य एवं समूह लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन

मंडल रेल प्रबंधक रायपुर श्री संजीव कुमार ने अंतर मंडलीय रेलवे स्कूल सांस्कृतिक प्रतियोगिता (नृत्य) में स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल द्वारा दिनांक 15.01.2024 को अंतर मंडलीय रेलवे स्कूल सांस्कृतिक प्रतियोगिता (नृत्य) - 2023 'अन्वि-शालोम के अंतर्गत शास्त्रीय एकल नृत्य एवं समूह लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन उल्लास रेल अधिकारी क्लब रायपुर में किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप मे मंडल रेल प्रबंधक रायपुर श्री संजीव कुमार उपस्थित थे स्वागत एवं परिचयात्मक भाषण श्रीमती निकिता अग्रवाल सहायक कार्मिक अधिकारी द्वारा प्रस्तुत किया गया।

अपने संबोधन मे मुख्य अतिथि श्री संजीव कुमार ने उपरोक्त कार्यक्रम के आयोजन मे भागीदारी करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि पढ़ाई के अतिरिक्त अन्य कार्यक्रमों मे भागीदारी करने वाले बच्चों का भविष्य बहुत उज्ज्वल होता है अपनी प्रतिभा के बलबूते वे अपना शौक तो पूरा करते ही हैं साथ ही अपना लक्ष्य आसानी से प्राप्त कर लेते हैं।

इस प्रतियोगिता में द.पू.म.रेलवे के अंतर्गत आने वाले सभी 06 रेलवे स्कूल शहडोल, बी.एम.वाई, डोंगरगढ़, नैनपुर बिलासपुर न.01 एवं बिलासपुर न. 02 के विद्यार्थियों ने अपनी भागीदारी दी। प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में छत्तीसगढ़ के प्रतिष्ठित कलाकार श्री डेविड निराला श्री देवेन्द्र बेहरा एवं श्री तरूण कुर्म उपस्थित थे। प्रतियोगिता की दोनो विधाओं मे प्रथम द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार हेतु स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए एवं ओवरऑल चैम्पियन की शील्ड मिक्स हायर सेकेन्ड्री स्कूल बी.एम.वाई को प्राप्त हुई।

कार्यक्रम का मार्गदर्शन मंडल कार्मिक अधिकारी (प्रभारी) श्री राहुल गर्ग द्वारा किया गया आपके संबोधन मे प्रतियोगिता की थीम अन्वि-शालोम के नाम के अलग-अलग आयामों को समझाया एवं स्वयं पूरी प्रतियोगिता के दौरान उपस्थित रहकर विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। धन्यवाद ज्ञापन मिक्स हा.से.स्कूल बी.एमवाई की प्राचार्या श्रीमती डी. लक्ष्मी एवं कार्यक्रम का संचालन श्री राजीव बिलैया पी.जी.टी द्वारा किया गया।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354